

सार समाचार

बेटी को मायके से लेकर आ रहे पिता और चाचा को कार ने रौंदा



गुना, देशबन्धु। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर अपनी बेटी को मायके से लावाकर ला रहे पिता और चाचा को फतेहाद रोड पर तेज रफ्तार आ रही एक कार ने टकरा मार दी। जिसमें बाईक पर सवार दोनों भाई बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोन धानांतगत ग्राम बरोद निवासी दिनेश सिंह एवं उनके भाई राजू सिंह अपनी बेटी को मायके से लेने फतेहाद पहुंचे थे। गत दिवस दोपहर में वह बेटी को लेकर आ रहे थे। इस दौरान एक बाईक पर दोनों भाई सवार थे जबकि पीछे बेटी और दामाद दूसरी बाईक से आ रहे थे। तभी सामने से तेज रफ्तार आ रही एक कार ने तेजी और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए जोरदार टकरा मार दी। जिसमें दिनेश एवं राजू बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोग एवं बेटी-दामाद द्वारा किसी तरह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां राजू की हालत गंभीर है। इधर एक दिन पूर्व ही अस्पताल का दौरा करने आए कलेक्टर के दूसरे दिन ही अस्पताल की व्यवस्थाओं की पोल खुल गई है। यहां राजू की गंभीर हालत होने के बावजूद एक ही पलंग पर दोनों घायलों को भर्ती कर दिया। जबकि राजू की स्थिति द्रमा केयर सेंटर या आईसीयू में भर्ती लायक है।

राजीव ज्योति सद्भावना यात्रा का गुना आगमन

गुना, देशबन्धु। आंतकवाद मुक्त भारत के लिए पिछले 32 वर्ष से निकाली जा रही राजीव ज्योति सद्भावना यात्रा बीती शाम गुना पहुंची। स्थानीय राजीव गांधी कांग्रेस भवन में विश्राम के बाद आज सुबह यहां से शिवपुरी रवाना हुई। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन को वर्षगांठ 9 अगस्त से तामिलनाडु के श्रीपैरम्बुदुर से शुरू यह यात्रा नई दिल्ली में 20 अगस्त को राजीव गांधी के जन्मदिन पर उनके समाधि स्थल वीरभूमि पर संपन्न होगी। यह यात्रा 20 अगस्त को दिल्ली पहुंचेगी। जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे सहित सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी यात्रा की अगुवाई करेंगे। तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र होते हुए यह यात्रा मध्य प्रदेश आई। यहां से यूपी, हरियाणा, होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। राजीव ज्योति सद्भावना यात्रा अध्यक्ष आर दौरे, अय्यर, गीता, शशिप्रभा, सुशीला, राल्फ सहित 60 सदस्यों के साथ वाहनों से चल रही है। यात्रा के यह यात्री मशाल लेकर चल रहे हैं जो हर जगह आंतकवाद मुक्त भारत के लिए अपील करते चल रहे हैं। गुना के बाद यह यात्रा आज दोपहर में शिवपुरी और इसके बाद रात में ग्वालियर पहुंचेगी, यहां रात रुकने के बाद उग्र हरियाणा होते हुए 20 तारीख को यात्रा दिल्ली पहुंच जायेगी। गुना में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा यात्रा का भावभीना स्वागत किया गया।

सुबह स्वल्पाहार के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेहरबान सिंह, नूरुल हसन नूर, गोपाल शर्मा, वीरेंद्र सिंह सिंसोदिया, राजेंद्र तिवारी, हर्ष मेर, नरेंद्र सोनावर, हरिओम खटौक, मुकेश रजक, खालिद बंदी, छोदू शिमला, अनुज रघुवंशी, लखन गिरी महाराज, रतिराम धाकड़, महेश धाकड़, रामकृष्ण धाकड़ द्वारा विदाई देने के बाद दोपहर में गुना से यह यात्रा आंतकवाद मुक्त भारत का संदेश देते हुए आगे के सफर के लिए रवाना हो गई।

धरनावादा पुलिस ने पकड़े 2 आरोपी बीनागंज में दुकान में घुसकर लूटपाट करने वाले 3 आरोपी पकड़े, 3 फरार

गुना, देशबन्धु। चांचौड़ा अंतगत बीनागंज के भरे बाजार में सप्ताह भर में हुई लूट और डकैती के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों की पहचान कर 3 को धरदबोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 अगस्त की शाम को बीनागंज में अमित पुत्र घनश्यामदास खंडेलवाल निवासी बीनागंज की कीटनाशक की दुकान पर नकाबपोश 4 अज्ञात बदमाशों द्वारा दुकान में तोड़फोड़ के साथ ही दुकान संचालक अमित खंडेलवाल के साथ मारपीट की गई। इस दौरान बदमाश दुकान में घुसे और हथियारों की नौक पर गल्ले पेटी में रखे 60-70 हजार रुपए लूटकर भाग गए। बदमाश पेटी में रखे पैसों को अपनी पेंट और टीशर्ट में दूंसते दिखे। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 394 भादवि इजाफा धारा 395 भादवि के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया था। विवेचना के दौरान लूट डकैती की इस वारदात में कुल 6 आरोपियों का शामिल होना ज्ञात हुआ। जिसमें 4 आरोपी दुकान के अंदर घुसे थे और 2 आरोपी मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर निगरानी कर रहे थे। पुलिस द्वारा उक्त



सभी 6 आरोपियों की पहचान कर जिनकी तलाश में सघन दबिशें दी गई। गत दिवस पुलिस ने 3 आरोपियों के संबंध में मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस द्वारा दबिश देकर प्रदीप उर्फ प्रदया पुत्र बाबूलाल मीना निवासी बीनागंज, भूपेन्द्र उर्फ छोदू पुत्र नगपत सिंह राजपूत निवासी ग्राम पटौंदीचक एवं रामकुमार पुत्र कचरुलाल मीना निवासी ग्राम छोटी कांदयाखेड़ी थाना चांचौड़ा को हिरासत में लिया। जिससे घटना के

संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि 9 अगस्त की शाम को वह अपने 3 और साथियों सहित दो मोटरसाइकिलों पर अमित खंडेलवाल की दुकान पर पहुंचे थे और लूट की घटना की गई थी। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर जिनके कब्जे से लूट के 6 हजार रुपये बरामद किए हैं। इसी तरह धरनावादा पुलिस द्वारा महूगढ़ा फाटक के पास राहगीर

मोटरसाइकिल सवार युवक के साथ मारपीट कर लूट करने वाले दो आरोपियों को दबोचा है। पुलिस ने लूटी गई बाईक, मोबाइल के अलावा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार को फरियादी दीपक पुत्र करन सिंह पाल निवासी ग्राम बमौरीताल थाना शाद्वारा जिला अशोकनगर द्वारा धरनावादा थाना पुलिस को रिपोर्ट करते हुए बताया था कि 9 जून की रात को वह अपने परिजनो व रिश्तेदारों सहित ग्राम गढा में अपनी समाज के देवस्थल पर भण्डारा करने आया था। उसके दो रिश्तेदारों को ट्रेन द्वारा जाना था जिन्हें वह गुना रेलवे स्टेशन छोड़कर रात को ही वापस गढ़ा गांव आर रहा था। तभी रास्ते में महूगढ़ा रेलवे फाटक के पास एक मोटरसाइकिल पर दो नकाबपोश व्यक्ति मिले। जिनमें पीछे बैठे व्यक्ति द्वारा उसके सिर में लोहे का एक पाईप मारा जिससे वह मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिर गया। जिसके बाद उनके द्वारा एक और पाईप उसके पैर में मारा गया। फिर वह लोग उसका पर्स, मोबाइल और मोटरसाइकिल लूटकर वहां से भाग गए।

चांचौड़ा से भाजपा ने खेला प्रियंका पर दांव, पहली लिस्ट में जारी हुआ नाम



गुना, देशबन्धु। मग्न में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में भाजपा ने बाजी मारते हुए पहली लिस्ट जारी की है। जिसमें गुना जिले की चार विधानसभा सीटों में से एक चांचौड़ा सीट पर प्रत्याशी का नाम घोषित किया है। इसमें प्रियंका मीना पेंची को उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा द्वारा चुनाव से करीब 100 दिन पहले पार्टी ने एमपी में उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने उन सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है, जहां पर 2018 में बीजेपी हार गई थी। इन्हीं 39 प्रत्याशियों की लिस्ट में प्रियंका मीना को चांचौड़ा से पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह विधायक हैं। प्रियंका मीना ने हाल ही में भाजपा पार्टी ज्वॉइन की है। उल्लेखनीय है प्रियंका मीना ने 27 फरवरी 2023 को बीजेपी का दामन थामा था। प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बीजेपी ज्वॉइन कराई थी। बीजेपी का दामन थामने के बाद से ही प्रियंका क्षेत्र में खासी

लोकप्रिय हो गई। प्रियंका अपने नाम के पीछे ससुराल के गांव का नाम लिखती हैं प्रियंका पेंची। प्रियंका का मुकाबला दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह से होने की संभावना है। हालांकि अभी कांग्रेस की लिस्ट आना बाकी है। प्रियंका के पति प्रद्युम्न सिंह मीना (इंडियन रिवेन्यू सर्विस) अधिकारी हैं, जो वर्तमान में दिल्ली में पदस्थ हैं। प्रियंका मीना की पढ़ाई लिखाई दिल्ली में हुई है। यहां इंजीनियरिंग की है।

प्रियंका मीना ने पंचायत चुनावों में वाई क्रमांक 18 से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा था, लेकिन महज 200 वोट से चुनाव हार गई। प्रियंका को पूर्व बीजेपी विधायक ममता मीना ने चुनाव हराया था। चुनाव हारने के बाद भी लगातार विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय रहीं। ममता मीना एक बार बीजेपी की एमएएल रह चुकी हैं, जिन्हें 2018 में दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह ने विधानसभा चुनाव हराया। प्रियंका और ममता मीना ने राजनीति जंग भी क्षेत्र में जगजाहिर है।

3 बंदूकधारियों के लायसेंस हुए निरस्त

गुना, देशबन्धु। एसपी राकेश कुमार सगर के प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर तरुण राठी द्वारा तीन लायसेंस बंदूकधारियों के लायसेंस निरस्त किए हैं। जिसमें मंगल सिंह गुर्जर पुत्र ओंकार लाल गुर्जर, सुंदेल सिंह पुत्र ओंकार लाल गुर्जर तथा गल सिंह पुत्र भंवरलाल गुर्जर सभी निवासी ग्राम खातीवाड़ा थाना राधोबाद की शस्त्र तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

देर रात राशन दुकान पर पहुंचे प्रभारी मंत्री, चखा नमक, देखा रिकॉर्ड



कलेक्टर में विभिन्न विभागों की समीक्षा

गुना, देशबन्धु। जिले के प्रभारी मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा बुधवार देर कलेक्टर के सभाकक्ष में देर रात लाड़ली बहना योजना, विकास पर्व तथा नल जल योजना के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गयी। बैठक में विधायक गोपीलाल जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष

धर्मेन्द्र सिकरवार, सांसद प्रतिनिधि सचिन शर्मा सहित कलेक्टर तरुण राठी, जिन सौईओ प्रथम कीशिका, एडीएम मुकेश शर्मा सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रदाय किये जा रहे नमक की गुणवत्ता के संबंध में शिकायत प्राप्त हो रही है, इस संबंध में आज ही निरीक्षण करने के निर्देश दिए। वहीं देर रात

तक कृष्णानी कालोनी गुना में स्थित जवाहर सहकारी प्रा.उप.भंडार मर्यादित दुकान का निरीक्षण मंत्री श्री तोमर द्वारा किया गया तथा नमक की गुणवत्ता को परखा गया। उन्होंने मोंके पर लैब में टेस्ट कराने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वहीं समीक्षा बैठक के दौरान विकास पर्व, लाड़ली बहना योजना, जल जीवन मिशन एवं राजघाट समूह प्रदाय योजना से संबंधित विस्तृत समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक के दौरान लाड़ली बहना योजना से संबंधित डीबीटी 1256 का निष्करण इसी माह पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। इसी तरह लोक स्वास्थ्य यौतिकी कार्यपालन यंत्रों को निर्देशित किया गया कि नल जल योजना के अंतर्गत किये गये रेस्टोरेशन के कार्य की सूची प्रदाय की जावे। ऐसे कार्य जो विंलंब से चल रहे हैं उनकी सूची प्रदाय की जाये।

60 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार



गुना, देशबन्धु। आरोन थाना पुलिस द्वारा अवैध शराब बेचने की फिराक में खड़े आरोपी को 60 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दबोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुवावार को पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोन-राधोगढ रोड पर कृषि विज्ञान अनुसंधान केन्द्र के पास स्थित पुलिया पर एक व्यक्ति प्लास्टिक की बड़ी-बड़ी दो केनों में अवैध शराब लेकर उसे बेचने जाने के लिये वाहन के इंतजार में खड़ा है। उक्त सूचना पर तत्काल पुलिस को एक टीम रवाना हुई। इस टीम द्वारा ही मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर पहुंचकर देखा तो एक व्यक्ति अपने पास प्लास्टिक की दो केने रखे हुए खड़ा हुआ दिखाई दिया। जिसने पुलिस को देखकर वहां से भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस फोर्स द्वारा जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। जिसने पूछताछ अपना नाम लक्ष्मण सहरिया पुत्र बाबूलाल सहरिया निवासी बरवटपुरा आरोन का दामन बताया। जिसके पास मिली दो केनों में 60 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की।

पुराना इंदौर-भोपाल राजमार्ग दूधिया रोशनी से दमक उठा

आष्टा, देशबन्धु।

शहर अब दूधिया रोशनी से चमकने लगा है इसके लिए नगर पालिका द्वारा शहर के मुख्य मार्ग पुराना इंदौर-भोपाल पर लगे विद्युत पोलों एलईडी लाइट लगाने के साथ ही दूधिया रोशनी से जगमग हुआ है। इस कार्य का



शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना, नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूखुआं, पार्षदगण कमलेश जैन, डॉ. सलीम, जाहिर गुड्डू, रवि शर्मा, अतीक कुंरेशी, तेजपाल मुकारती, मेहमूद अंसारी, तेजसिंह

राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने सीएमओ राजेश सक्सेना, उपयंत्री आयूपी खां, पार्षदगण कमलेश जैन, डॉ. सलीम, जाहिर गुड्डू, रवि शर्मा, अतीक कुंरेशी, तेजपाल मुकारती, मेहमूद अंसारी, तेजसिंह का मुख्य मार्ग है हर कभी अंधेरा रहता

था, उच्च गुणवत्ता की एलईडी के लगाने से अब अंधेरा तो मुक्त हुआ है, वहीं राहगीरों की राह भी आसान हुई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि मस्जिद के समीप से लेकर दरगाह तक सभी विद्युत पोलों पर

एलईडी लाइट लगाई गई है। इस अवसर पर सहायक यंत्री अनिल धुवें, आदित्य तलनीकर, मोहम्मद इस्सरा, रमेश यादव, सर्वेश भट्टनगर, आशीष बैरागी, समर अली, अभिषेक कुशावह, लाडसिंह ठाकुर, राकेश आदि मौजूद थे।

दीवार तोड़ना उचित नहीं समझा दस्ते ने, बिना कार्यवाई लौटे वापस

सीएम हेल्पलाईन में शिकायत के बाद भी बिना कार्यवाही के लौटा

आष्टा, देशबन्धु। सीएम हेल्पलाईन पर इंदिरा कॉलोनी वार्ड 15 में नाली का पानी निकासी के संबंध में एक शिकायत एडवोकेट लखन खंडारे ने प्रस्तुत की, जिसमें रेकवाल समाज द्वारा बनाए जा रहे मांगलिक भवन की दीवार को लेकर आपत्ति की थी। हेल्पलाईन की शिकायत कलेक्टर की सर्वोच्च प्राथमिकता में होने से सीएमओ राजेश सक्सेना ने दूरभाष पर ही अतिक्रमण प्रभारी अजय द्विवेदी को



मौके पर जाकर आज ही निराकरण करने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण प्रभारी अजय द्विवेदी, पटवारी राकेश मालवीय, सफाई जमादार विनोद जेसीबी अमले सहित मौके पर निराकरण के लिए उपस्थित हुए। सामाजिक धार्मिक कार्य होने के

कारण मौके पर हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष कालू भट्ट, बजरंग दल के राम वर्मा, कालू सोनी सहित रेकवाल समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष एकत्रित थे। समस्या के निराकरण की दिशा में बातचीत करने के लिए पंचायत बैठी। रेकवाल समाज के

लोगों ने बताया कि श्री खंडारे के एक घर का पानी घर के पीछे से नहीं निकालकर आगे से निकल जाए तो कोई समस्या नहीं है। पंचायती चर्चा में द्वेष भावना से सामाजिक कार्य में अड़ंगा लगाने तथा शिकायतकर्ता द्वारा स्वयं पड़े की जगह से अधिक पर निर्माण करने की शिकायत भी की गई। अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य में एक घर के पानी की निकासी के लिए दीवार तोड़ी जाना अतिक्रमण प्रभारी अजय द्विवेदी ने उचित नहीं समझा। अतिक्रमण दस्ता वापस चला गया। इस अवसर पर रेकवाल समाज मंदिर समिति के मनोहर पचौरी, हेमराजसिंह रेकवाल, जितेन्द्र रेकवाल, ज्ञानसिंह रेकवाल आदि लोग मौजूद थे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में रोजगार पर वेबीनार

सीहोर, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में गत दिवस कौशल आधारित अधिगम एवं रोजगार विषय पर एक राष्ट्रीय वेबीनार अंग्रेजी विभाग एवं आईक्यूएके द्वारा आयोजित किया गया। इस वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में ओ.एच.डी. उच्च शिक्षा विभाग मग्न की डॉ. दिवा मिश्रा, प्रो. डॉ. विष्णु कुमार अग्रवाल मुंरुना एवं तृतीय विश्व विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सत्य प्रकाश गुप्ता झांसी से उपस्थित हुए व अपने वक्तव्य से विषय पर प्रकाश डालते हुए ज्ञानवर्धन किया। डॉ. दिवा मिश्रा ने म.प्र. शासन की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए व्यवसायिक पाठ्यक्रमों और रोजगार के अवसरों से अवगत कराया। डॉ. बी.के. अग्रवाल ने हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों को बताते हुए साहित्य की नई दिशा के बारे में जानकारी प्रदान की। वहीं डॉ. सत्य

प्रकाश गुप्ता ने वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में कौशल आधारित अधिगमों पर प्रकाश डालते हुए स्टार्टअप के लिए सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। वक्तव्य के अलावा कौशल वाले अवसरों से सभी को परिचित कराया।

द्वितीय चरण में अखिल भारतीय स्तर से प्राप्त विभिन्न शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया। छत्तीसगढ़ से सहायक प्राध्यापक भानु प्रताप नायक ने फूड साईंस विषय पर रोजगार व कौशल विकास संबंधी शोध का सारांश प्रस्तुत किया। मुंरुना, बुरहानपुर एवं अन्य जिलों के शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए व संबंधित विषयों में नवाचार और रोजगार की संभावनाओं का उल्लेख किया। शोध पत्र प्रस्तुतीकरण डॉ. मंगला रायबोले डॉ. रचना मेहरा अल्का दुबे, डॉ. कृष्णा मोरे एवं अल्का वाण्ये ने किया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. मंजरी अनिलहोत्री,

प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग एवं संयोजक डॉ. जया शर्मा विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग ने किया। इस सत्र में राजनीति विज्ञान से अक्षय तिवारी ने संचालन किया।

विक्टोरिया महाविद्यालय और डीपीएसजी में स्वतंत्रता दिवस मनाया

सीहोर, देशबन्धु। विक्टोरिया महाविद्यालय और डीपीएसजी में स्वतंत्रता दिवस परम्परागत उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मां सरस्वती की छायाचित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विक्टोरिया महाविद्यालय सीहोर एवं में स्वतंत्रता दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।

50 साल से वकालत करने वाले वकीलों का हुआ सम्मान

सीहोर, देशबन्धु। 16 अगस्त को जिला अधिभाषक संघ के एक गरिमामयी आयोजन में 50 साल से वकालत करने वाले वकीलों और संगठन का नेतृत्व करने वाले पूर्व अध्यक्षों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि अमिताभ मिश्रा प्रधान न्यायधीश जिला एवं सत्र न्यायालय मौजूद थे। जबकि विशेष अतिथि के रूप में विधायक सुदेश राय और नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर मौजूद रहे।

जिला अधिभाषक संघ सभागृह में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अमिताभ मिश्रा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर किया। अधिभाषक संघ के अध्यक्ष रविंद्र भारद्वाज, सचिव ब्रजेन्द्र सिंह, चंदेल सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया। संगीतिका विद्यालय के विद्यार्थियों ने देश प्रेम के गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। अतिथियों ने 50 साल की वकालत करने वाले सर्व महेंद्र सिंह सिसोदिया, डी.डी. मित्तल, एनपी उपाध्याय सोनपाल दासवानी, हरि दयाल सक्सेना, जी.के. उपाध्याय, के.यू. कुंरेशी के अलावा जिला अधिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे, महेश दयाल चौरसिया, रामनारायण ताम्रकार, मुकेश सक्सेना, शरद जोशी तथा अनिल दुबे का भी शाल श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर अभिनंदन किया।

जिला अधिभाषक संघ के अध्यक्ष रविंद्र भारद्वाज ने स्वागत संबोधन दिया। क्षेत्रीय विधायक श्री राय ने संबोधित



कर आयोजन की प्रशंसा करते हुए न्यायालय परिसर में पक्षकार भवन के लिए 10 लाख रुपए की राशि अपनी निधि से देने की भी घोषणा की। नगरपालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर, अधिवक्ता राजेश काशिव ने भी संबोधित किया।

आयोजन में संगीतिका महाविद्यालय के प्रमुख मांगीलाल ठाकुर का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता रामनारायण ताम्रकार ने किया तथा आभार प्रदर्शन सचिव ब्रजेन्द्र चंदेल ने किया।

राजधानी

सार समाचार

महिला कलाकारों के लिए चारबैत कार्यशाला 26 से

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा विलुप्त होती हुई कला चार बैत को जीवित रखने के लिए एवं इस लोक कला को युवा पीढ़ी को हस्तांतरित करने के उद्देश्य से विशेषकर पहली बार महिला कलाकारों को प्रशिक्षित करने का कार्य किया गया था। उक्त प्रयास की सफलता एवं लोकप्रियता को देखते हुए उर्दू अकादमी द्वारा पुनः महिला कलाकारों का एक और नया बैच तैयार करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन अंश हैप्पीनेस सोसाइटी के सहयोग से 26 अगस्त से 10 सितम्बर तक किया जाएगा। इस 15 दिन की निःशुल्क कार्यशाला में महिला कलाकार चारबैत के प्रख्यात उस्ताद से ये फन सीखेंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए पंजीयन अब 25 तक

भोपाल, देशबन्धु। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय रातीबड में कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2024 के ऑनलाइन आवेदन 17 अगस्त तक आमंत्रित किए गए थे। अब ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि अब 25 अगस्त कर दी गई है। आवेदक 25 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वे ही छात्र-छात्राएँ आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय, अशासकीय, इंजीनियरिंग के कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत हैं तथा जिनका जन्म एक मई 2012 से 31 जुलाई 2014 के मध्य हुआ हो। चयन परीक्षा 20 जनवरी 2024 शनिवार को आयोजित की जाएगी।

सद्भावना दिवस आज, शपथ दिलाई जाएगी

भोपाल, देशबन्धु। जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में 19 एवं 20 अगस्त को अवकाश होने के कारण सद्भावना दिवस 18 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में प्रातः 11 बजे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करने की प्रतिज्ञा दिलाई जाएगी। साथ ही हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यम से सुलझाने की प्रतिज्ञा दिलाई जाएगी।

एमसीएमसी टीम का हुआ प्रशिक्षण

भोपाल, देशबन्धु। राज्य निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों द्वारा मध्यप्रदेश के सभी जिलों के जिला स्तरीय मीडिया प्रमाण एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी टीम) को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे द्वारा सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा नोडल अधिकारियों को एमसीएमसी के गठन के बारे में अवगत कराया गया। प्रेजेंटेशन के माध्यम से फेक न्यूज, पेड न्यूज सहित अन्य बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर भोपाल जिले से गठित एमसीएमसी कमेटी मेंबर उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश सिंह चौधन, एसडीएम बैरागढ़ आदित्य जैन, सहायक संचालक जिला जनसम्पर्क एवं सदस्य सचिव एमसीएमसी अरुण शर्मा सहित सभी अधिकारी और सदस्यगण एनआईसी कक्ष में उपस्थित रहे।

भोपाल सहित कई शहरों में झमाझम बारिश की उम्मीद

भोपाल, देशबन्धु। अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय मौसमी सिस्टमों के असर से मानसून द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति में आने लगी है। वहीं वर्तमान में बंगाल की खाड़ी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। इसके शुक्रवार को कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित होकर आगे बढ़ने की संभावना है। इसके असर से भोपाल, जबलपुर, रीवा, सागर, शहडोल, उज्जैन, ग्वालियर संभाग के जिलों में झमाझम वर्षा होने की उम्मीद है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। वहीं पूर्वी-पश्चिमी द्रोणिका छत्तीसगढ़ के आसपास बनी हुई है, जबकि मानसून द्रोणिका उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात तक बनी हुई है। इसके साथ ही पंजाब के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। अलग-अलग स्थानों पर बने इन मौसमी सिस्टमों के असर से शिथिल पड़ा मानसून एक बार सक्रिय हो गया है और शुक्रवार तक बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के कम दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। उसके प्रभाव से मानसून की गतिविधियों में तेजी आने के भी आसार हैं और भोपाल, जबलपुर, रीवा, सागर, शहडोल, उज्जैन, ग्वालियर संभाग के जिलों में तेज बौछारें पड़ने का सिलसिला शुरू होने की उम्मीद है। उधर पिछले 24 घंटों के दौरान दमोह में 21, जबलपुर में 19.4, सिवनी में 4.4, नर्मदापुरम में 2.4, टीकमगढ़, नागवाम में एक, उमरिया एवं उज्जैन में 0.6, इंदौर और धार में 0.5, भोपाल में 0.3 मिलीमीटर वर्षा हुई।

युवक ने फांसी लगाकर जान दी, पत्नी से होता था विवाद

भोपाल, देशबन्धु। बागसेवनिया थाना इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस को मृतक के पास से कोई पत्र नहीं मिला है। लेकिन शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि उसका अपनी पत्नी से अक्सर विवाद होता रहता था। दोनों ही ओर से थाने में शिकायत की जाती थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक अमराई परिसर में रहने वाला 34 वर्षीय सूरज सिंह अपने पिता के साथ निजी काम करता था। उसका कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कमरा अंदर से बंद था, इस कारण परिजनों को यह पता नहीं चल पाया कि उसने यह कदम कब उठाया। लेकिन बाद में दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। इस पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ दिया और अंदर जाकर देखा तो सूरज का शव फांसी पर लटका हुआ था। पुलिस ने उसके शव का पंचनामा ब्रह्मकार पोस्टमार्टम के लिए एम्सवाया और पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस मामले के जांच अधिकारी एएसआइ भागीरथ राय ने बताया कि मृतक के पास से कोई पत्र नहीं मिला है। लेकिन शुरुआती जांच में पति और पत्नी में विवाद की बात सामने आ रही है। सूरज अपनी पत्नी की शिकायत करने थाने आता था, जबकि उसकी पत्नी भी उसकी शिकायत करती थी। दोनों में ऐसा ही विवाद था। फिलहाल परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार है।

युवती को होटल में बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

भोपाल, देशबन्धु। कमला नगर इलाके में एक 28 वर्षीय युवती को होटल में बंधक बनाकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता को घुमाने के बहाने बुलाकर घटना की। पुलिस ने शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

कमला नगर थाना पुलिस के मुताबिक 28 वर्षीय युवती जहांगीराबाद इलाके में रहती है। उसके घर से कुछ दूरी पर दानिश कुरैशी नाम का युवक भी रहता है। वर्ष 2015 में दोनों के बीच पहचान हुई थी। यह पहचान जल्द ही दोस्ती में तब्दील हो गई। दानिश 5 मई 2023 को घुमाने के बहाने युवती को नेहरू नगर इलाके के एक होटल में ले गया। यहां पर उसने युवती के साथ बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। युवती ने इसका विरोध किया तो दानिश ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। वहीं युवती ने ज्यादाती की बात जब अपने परिजनों को बताने की बात कही तो दानिश ने उसे जल्द ही शादी करने का झांसा दे दिया। युवती जब उसके झांसे में आ गई तो दानिश ने उसका शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। लेकिन युवती जब भी शादी करने की बात कहती तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। पिछले दिनों जब युवती ने शादी करने का दबाव डाला तो दानिश ने शादी करने से मना कर दिया तो युवती ने थाने आकर पूरे घटनाक्रम की शिकायत की। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मतदान केंद्र में अनुपस्थित मिले 3 बीएलओ, कटेगा वेतन

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को देखते हुए मतदाता सूची को आद्यतन करने केंद्रों को व्यवस्थित बनाने का काम किया जा रहा है इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ का उपस्थित रहना जरूरी है। ताकी मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। लेकिन इसके बाद भी बीएलओ निर्देशों का पालन नहीं करते हुए मतदाता सूची के काम में लापरवाही बरत रहे हैं। इसके चलते कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह द्वारा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में वे गुरुवार को गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा क्षेत्रों के केंद्रों पर पहुंचे हैं। वहीं तीन बीएलओ अनुपस्थित मिले तो उनके एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं।

मतदान केंद्रों पर सूची आद्यतन जैसे नये मतदाताओं के नाम जोड़ने, पुराने मतदाताओं के फोटो, पता सहित अन्य जानकारी में सुधार करने संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों को बेहतर तरीके से कराने के लिए बीएलओ को जिम्मा सौंपा गया है, इनके कार्य को देखने के लिए हर दिन कलेक्टर आशीष सिंह केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर गुरुवार को हुजूर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र ओरियन इंटरनेशनल स्कूल के स्वामी विवेकानंद वाचनालय में पहुंचे। जहां पर उन्होंने बीएलओ से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम



घर -घर जाकर नाम जोड़ने के निर्देश

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान बीएलओ को निर्देश दिए हैं कि एक अक्टूबर 2023 को 18 साल के होने वाले युवा मतदाताओं के नाम प्राथमिकता से मतदाता सूची में जोड़े उनका पता कर घर-घर जाकर फार्म चह भवाएं, जिससे वह आगामी विधानसभा में चुनाव देने से वंचित न रह जाएं। इतना ही नहीं युवा, महिला मतदाताओं के साथ ही 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का भौतिक सत्यापन भी किया जाए।

के तहत नाम जोड़ने, हटाने, प्रतदाता पहचान पर में संशोधन आदि के मास आवेदनों की जानकारी ली। इसके बाद कलेक्टर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के ओरियन स्कूल में बने मतदान केंद्र का निरीक्षण भी किया। यहां पर तीन बीएलओ अनुपस्थित मिले। इस पर कलेक्टर ने उक्त बीएलओ को एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

बेटी के दूसरे जन्मदिन पर हजारों लोगों को मुफ्त में पानी पुरी खिलाई

भोपाल, देशबन्धु। शहर के कोलार बंजारा क्षेत्र मुख्यमार्ग का नजारा गुरुवार को कुछ बदला से दिखा। चूंकि यहाँ एक तरफ टेंट में सुंदर कांड चल रहा था और महिलाएं भजन गा रही थीं तो दूसरी ओर लोग कतार में लग कर आधा दर्जन अलग-अलग स्टाल पर पानी पुरी खा रहे थे। मौका था कोलार बंजारी में पानी पुरी की गुमटी लगाने वाले अंचल गुप्ता की बेटी अनोखी के दूसरे जन्म दिन का। बेटी के जन्मदिन की खुशी में इस वर्ष अंचल गुप्ता ने आने-जाने वाले हजारों लोगों को मुफ्त में पानी पुरी खिलाई।



इस आयोजन में हुजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा भी पहुंचे। उन्होंने पानी पुरी का स्वाद लिया। बच्चों को अपने हाथों से पानी पुरी खिलाई। साथ ही बेटी बचाने का संदेश देने वाले इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस अवसर पर अंचल गुप्ता ने बताया कि 21 हजार लोगों के लिए पांच दिन पहले से पानी पुरी बनानी शुरू कर दी थीं। वहीं आलू व पानी पुरी का पानी बनाने के लिए जरूरी मसाले भी

पहले से खरीद लिए थे। इसमें कितना खर्चा आया। यह नहीं बता सकता है। चूंकि बेटी के जन्मदिन की खुशी मनाई है, इसमें खर्चा क्या देखना। लेकिन इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ लोगों को संदेश देना है कि बेटियों को बोझ न समझें, बेटियाँ होने पर खुशी मनाएं, उन्हें पढ़ाएं और आगे बढ़ाएं। उल्लेखनीय है कि पानी पुरी बेच कर हर माह 18 से 20 हजार रुपये महीने के कमाने वाले अंचल ने बीते वर्ष अपनी बेटी अनोखी के पहले जन्मदिन की खुशी में एक लाख लोगों को पानी पुरी खिलाई थीं। इससे वे सुखियों में आ गए थे।

यंग वारियर, रोहतास, एचएनएफसी और प्रिडैटर टीमों अगले दौर में

भोपाल, देशबन्धु। पिपलानी स्थित पुरुषोत्तम गौर तरण पुष्कर स्थित टर्फ पर आयोजित इंडिपेंडेंट डे फुटसाल कप प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रह है। इसमें यंग वारियर, रोहतास एफसी, एचएनएफसी और प्रिडैटर एफसी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।



प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में यंग वारियर ने टाइटन एफसी को आसानी से 5-1 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में रोहतास एफसी ने क्रिमसन लायंस एफसी पर 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। दिन के तीसरे मुकाबले में एचएनएफसी ने बोल्ड एफसी को आसानी से 5-0 से परास्त किया। जबकि आखिरी मुकाबले में प्रिडैटर एफसी ने एक्रोबेट फुटबाल अकादमी को रोमांचक तरीके से 2-0 से शिकस्त दे दी। अकादमी के राहिल खान, अक्षत मिंज, अयान खान, अफफान खान और मेहुल धाकड़ ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर यंग वारियर-एचएनएफसी और प्रिडैटर एफसी-रोहतास एफसी के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ पुरुषोत्तम गौर तरण पुष्कर के संचालक डा. संतोष कटियार ने किया। इस अवसर

पर एक्रोबेट फुटबाल अकादमी संचालक प्रतीक कटियार, कोच नवांश कुमार, तरण पुष्कर के प्रबंधक एवं आयोजन सचिव ब्रजभान सिंह धाकड़ उपस्थित रहे।

इंडिया ओपन एयर वेपन व ओपन शाटगन चैंपियनशिप: मप्र के निशानेबाजों ने जीते 11 पदक

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के निशानेबाजों ने इंडिया ओपन एयर वेपन व ओपन शाटगन चैंपियनशिप में मप्र शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन कर पांच स्वर्ण, चार रजत व दो कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक जीते। नैसी सोलंकी ने दो स्वर्ण पदक जीते। खेल विभाग और भारतीय राइफल महासंघ के सहयोग से गोगागांव स्थित शूटिंग रेंज में मप्र के युवाओं ने जोरदार खेल का प्रदर्शन किया। 10 एयर पिस्टल पुरुष वर्ग टीम इवेंट में गुजरात की टीम ने बाजी मारी और स्वर्ण पदक पर अधिकार जमाया। मप्र के सूरज शर्मा, युगप्रताप सिंह राठीव ने रजत पदक जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में नैसी सोलंकी ने राजस्थान की कमला कुमारी की कमला कुमारी को हराकर स्वर्ण पदक जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में गुजरात के भरत शेखावत ने स्वर्ण पदक जीता, मप्र के यशराज यादव ने रजत व अक्षत तांबे ने कांस्य पदक जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में मप्र के यशराज यादव, अक्षय तांबे व हरिओम चावड़ा ने स्वर्ण पदक जीता। मप्र के ही युगप्रताप, चिराग पटले व सिद्ध कुमार ने कांस्य पदक जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला में नैसी सोलंकी ने गुजरात की तिषा को हराकर स्वर्ण पदक जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला टीम इवेंट में मप्र की नैसी सोलंकी, अंकिता प्रसाद व हर्षिता चौकसे ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 10 मीटर एयर पिस्टल सब यूथ बालक वर्ग में मप्र के सूरज ने रजत पदक जीता। वहीं राजस्थान के आर्यन ने स्वर्ण पदक जीता। शाटगन ट्रेप महिला वर्ग में मप्र अकादमी की महिमा विश्वकर्मा ने स्वर्णपदक जीता।

नगि आयुक्त ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

भोपाल, देशबन्धु। नगर निगम आयुक्त ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जोन क्र. 15 के विभिन्न क्षेत्रों, मार्गों की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही भारत नगर में महर्षि पतंजलि योग केंद्र के पास स्थित सामुदायिक जनसुविधा केन्द्र का भी निरीक्षण किया।



निगम आयुक्त श्री प्रेंक नोबल ए. ने गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जोन क्र. 15 के रायसेन रोड, जे.के.रोड, निजामुद्दीन कालोनी, इंद्रपुरी आदि क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों का साफ-सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निगम आयुक्त ने भारत नगर में महर्षि पतंजलि योग केंद्र के पास स्थित सामुदायिक जनसुविधा केन्द्र का भी निरीक्षण किया और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी

प्राप्त की। श्री नोबल ने सामुदायिक जनसुविधा केन्द्र की संधारण पंजी का भी अवलोकन किया। निगम आयुक्त ने सामुदायिक जनसुविधा केन्द्र में लगे ब्यूआर कोड को अपडेट कराने, बाहर रखे गमलों को बदलने के निर्देश दिए। श्री नोबल ने सामुदायिक जनसुविधा केन्द्र की व्यवस्थाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

यातायात संबंधी बैठक संपन्न

भोपाल, देशबन्धु। कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में भोपाल जिले के यातायात संबंधी बैठक गुरुवार को कलेक्टर सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें बोट क्लब एरिया में नो-पार्किंग बोर्ड, फ्लोटिंग एवं फिक्स पार्किंग करना, एमपी नगर क्षेत्र में पार्किंग, 10 नम्बर पार्किंग नो पार्किंग बोर्ड-वन साईड बोर्ड, 500 नये स्टोपर की आवश्यकता, रोड साईन बोर्ड/ब्लैक स्पॉट्स, लाल वन स्टॉप, रोड मार्किंग, जेब्रा क्रॉसिंग, 3 क्रेन की अतिरिक्त आवश्यकता है, चार ईमली तिराहे (पैट्रोल पंप के पास) सांकेतिक चिह्न, सड़कों पर गड्डे (अल्पना, ज्योति टॉकीज, लालघाटी), रविवार को हमीदिया रोड पर दुकानों के संबंध में, एमएचटी रोड पर फ्लाई ओवर के पास आदित्य रेवेन्यू के पास सांकेतिक चिह्न लगाने प्रमुख बिंदु रहे। इनके साथ बैठक में शहर के यातायात संबंधी अन्य प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई।

बांस और लौकी से तैयार होता है मणिपुर का रूसेम वाद्य यंत्र

भोपाल, देशबन्धु। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में सप्ताह के प्रार्दर्श के अंतर्गत गुरुवार को मणिपुर की कोम जनजाति का एक पारंपरिक पवन वाद्य यंत्र रूसेम का प्रदर्शन किया गया। संग्रहालय द्वारा इस 2008 में संकलित किया गया है। संग्रहालय के निदेशक डा. भुवन विक्रम ने बताया कि रूसेम मणिपुर की कोम जनजाति द्वारा उपयोग किए जाने वाला बांस और सूखी लौकी से निर्मित एक वाद्य यंत्र है। यह पारंपरिक सुषिर वाद्य एक सूखी हुई लौकी पर दो अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए छह द्यूनिंग नलिकाओं और फूंकने वाली एक नलिका से निर्मित है। ऐसी मान्यता है कि इस वाद्ययंत्र की ध्वनि सुरक्षा और समृद्धि के लिए

देवताओं का आह्वान है, और इसका उपयोग केवल औपचारिक और मोरंजनात्मक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। इसका उपयोग अंतिम संस्कार समारोहों में नहीं किया जाता है। कलाकार द्वारा वाद्ययंत्र की नलिका में फूंकते हुए उंगलियों से छिद्रों को नियंत्रित करते हुए विभिन्न सुर उत्पन्न किए जाते हैं। कक्ष में वायु को अंदर लेने और छोड़ने के क्रम में जब हवा नलिका से होकर गुजरती है तो कंपन करती है, जिससे वांछित ध्वनि उत्पन्न होती है। वाद्ययंत्र, कक्ष और नलिका का आकार-प्रकार सभी इसके द्वारा उत्पन्न ध्वनि में योगदान करते हैं। डा. विक्रम ने बताया कि कोम लोग रूसेम को मानव संसार के सर्जक देवीय माता - पिता के



मिलन के रूप में देखते हैं। जिसमें सूखी लौकी को देवीय मां के गर्भ के रूप में दर्शाया गया है, जबकि फूंकने और आवाज निकालने वाली नलिका देवीय पिता का प्रतिनिधित्व करती है। रूसेम की ध्वनि ब्रह्माण्ड के सृजन संबंधी विश्वास के महत्व को बताती है। इसका उपयोग नृत्यों की संगत के रूप में किया जाता है। कलाकार द्वारा बजाई गई धुनें नृत्य की सुंदरता को निखारती हैं। सुर और ताल प्रदर्शन में ऊर्जा और उत्साह की अभिवृद्धि करते हैं। यह खुशी और उत्सव का वातावरण निर्मित करने में सहायक होती है।

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील कोलार जिला भोपाल
प्रकरण क्रमांक 1352 /अ-6/2023-24
ग्राम का नाम - ई-5/6/5

इश्तहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण में आवेदक धर्मंद मोना पिता स्व. दुर्गा प्रसाद मोना द्वारा ग्राम पिपलिया केशो प.ह.नं.स्थित खसरा क्रमांक 61, 270/2, 271/1, 309/2 रकबा 2.05 हे. का पंजीकृत फौती नामांतरण के आधार पर नामांतरण किये जाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह इस इस्तहार के जारी होने के दिनांक से दिनांक 23.08.2023 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत करें, समयावधि परचात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

**अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील कोलार, जिला-भोपाल**



नारी सम्मान की न्यायिक शब्दावली

न्यायिक प्रक्रिया के दौरान नारी का सम्मान बनाये रखने के लिये सुप्रीम कोर्ट ने नई शब्दावली दी है। अनेक ऐसे शब्द जो नारी की गरिमा को गिराने वाले होते हैं, उसकी बजाय शीर्ष अदालत ने सम्मानजनक शब्द दिये हैं। एक हैंडबुक के जरिये सर्वोच्च अदालत ने जो शब्द इस्तेमाल में लेने के लिये कहा है, आशा है कि अब कचहरी पहुंचने वाली महिलाओं को न्याय पाने के लिये अपनी प्रतिष्ठा के साथ समझौता नहीं करना होगा। शादी, तलाक, लिव इन रिलेशनशिप, यौन उत्पीड़न, प्रताड़ना, सम्पत्ति, विवाद होने पर बच्चों की कस्टडी आदि कई तरह के मुकदमों की सुनवाई के दौरान महिला पक्षकारों का बेहद अपमानजनक भाषावली से सामना होता है जिसके कारण उसके लिये न्याय को भूलकर अपनी प्रतिष्ठा को बचना प्राथमिकता बन जाता है। पुरुष प्रधान समाज द्वारा रचित महिलाओं की आबरू को तार-तार करने वाले कई शब्द, वाक्य और मुहावरे समाज में खूब प्रचलित हैं। महिलाओं को संबोधित करने वाले ऐसे रूढ़िवादी शब्दों को अदालत की शब्दावली से हटाकर सुप्रीम कोर्ट ने जो नये शब्द दिये हैं, उम्मीदी की जानी चाहिये कि वे कचहरी की जिरह और दस्तावेजों में ही सीमित न रहकर पूरे समाज में इस्तेमाल होंगे ताकि औरतों को कोर्ट ही नहीं वरन पूरे समाज में अपमानित हुए बिना संबोधित होने का मौका मिले।

हमारे यहां महिलाओं के स्थान के बारे में चाहे जितनी महिमा गाई जाये, सच्चाई यही है कि भारतीय समाज औरतों को वह सम्मान नहीं देता जिसकी आधी आबादी हकदार है। बहुत से देशों का भी यह हाल हो सकता है। यह किसी एक धर्म या वर्ग से जुड़ी महिलाओं की भी बात नहीं है। थोड़े से अंश को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर महिलाएं देश में लैंगिक असमानता का शिकार हैं। फिर वे चाहे निम्न वर्ग की हों या मध्य वर्ग अथवा उच्च वर्ग की। शिक्षा ने कुछ फर्क जरूर डाला है पर असलियत यही है कि ज्यादातर महिलाएं अपने वाजिब अधिकारों की तरह ही सम्मान से काफ़ी दूर हैं। पहले पिता या भाई के नियंत्रण में रहती स्त्रियां बाद में पति और अंततः बुढ़ापे में पति के साथ रहते हुए या विधवा के रूप में पुत्रों पर आश्रित जीवन जीती हैं। उनकी भौतिक जरूरतों को लेकर होने वाली दुश्चारियां तो अपनी जगह पर हैं, घर हो या बाहर, वे आजीवन ज़िल्लत भरा जीवन जीती हैं। उन्हें जिन शब्दों से संबोधित किया जाता है वह अक्सर अपमानजनक होता है। परों के बाहर भी महिलाओं को लेकर कोई बहुत अच्छी भाषा का उपयोग नहीं होता।

जो महिलाएं समाज में प्रचलित भाषा को चुपचाप सुन लेती हैं वे अच्छी मानी जाती हैं क्योंकि यह मानकर ही चला जाता है कि उनका जीवन इसी के लिये बना हुआ है या उनके प्रति ऐसे वाक्यों या शब्दों का प्रयोग गैरवाजिब नहीं है। फिर, यदि औरत न्याय की दहलीज तक पहुंचने वाली हो तो, पुरुष का अहम अधिक आहत होता है। ऐसी औरतों के लिये कटुतर व ज्यादा अपमानजनक शब्द प्रयोग में लाये जाते हैं। ये शब्द लोक व्यवहार से चलकर कानूनी प्रक्रिया में दाखिल हो गये हैं। रूढ़िवादी भाषा महिला को उसके हक की लड़ाई में कमजोर कर देती है। औरतों को अपमानित करने वाला कानूनी दांव-पेंच शब्दों तक सीमित न रहकर महिला के विचारों और पोशाकों तक पहुंच जाता है। बलात्कार से पीड़ित महिला को इंसाफ पाने या दिलाने के लिये 'दामिनी' मूवी की तरह उस पीड़ादायी घटना का सिलसिलेवार वर्णन करना होता है जो बलात्कार से कहीं अधिक दर्दनाक होता है; या फिर 'पिंक' फिल्म की भांति महिला पक्षकार को नाइट पार्टी का आदी साबित कर चरित्रहीन बतलाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत को सभ्य समाज बनने के रास्ते पर एक और कदम चलाया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तैयार की गई एक हैंडबुक बुधवार को जारी की। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिये प्रयोग में लाये जाने वाले शब्दों पर रोक लगाना है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इससे जर्जों और वकीलों को लैंगिक रूढ़िवादी शब्दों के इस्तेमाल से बचने में सहायता मिल सकेगी। हैंडबुक में दिये गये शब्द अब से अदालतों में जिरह करने के दौरान और उनके फैसलों में उपयोग में लाये जायेंगे। अनेक ऐसे शब्दों को वर्जित कर महिलाओं के लिये सम्मानजनक जो शब्द इस हैंडबुक में बतलाये गये हैं, उनमें कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं- अब तक प्रचलित प्रॉस्ट्रट्यूट, हुकर या रंडी के स्थान पर 'सेक्स वर्कर', अडल्ट्रेस या अफेयर (व्यभिचारिणी) की बजाय 'शादी से इंटर संबंध' तथा हाउस वाइफ के बदले 'होममेकर' शब्द का इस्तेमाल होगा। ऐसे ही, कैरियर वूमन, इंडियन या वेस्टर्न वूमन, पवित्र महिला, स्टूट या फूहड के स्थान पर केवल 'महिला' शब्द का प्रयोग होगा। बिन ब्याही मां को 'मां' तथा कीप या मिस्ट्रेस को 'गैर मर्द से संबंध' कहना होगा। गाल वेश्या को 'ऐसी बच्ची जिसकी तकरी की गई', जन्म से लड़का-लड़की के स्थान पर 'जन्म के समय निर्दिष्ट लड़का या लड़की', स्त्रेण (जब अपमान के उद्देश्य से इस्तेमाल में लाया गया हो) के बदले लिंग तटस्थ शब्द जैसे 'आत्मविश्वासी' या 'जिम्मेदार' लफ्ज़ों का प्रयोग होगा। भड़काऊ कपड़े केवल 'कपड़े' कहे जायेंगे और ये महिला की इच्छा के द्योतक नहीं होंगे। उनकी ना का अर्थ ना ही होगा।

आशा है कि महिलाओं को जो सम्मान शीर्ष अदालत दिलाना चाहता है वह सिर्फ मुकदमों की जिरह, सुनवाई और फैसलों में ही सीमित न रहे। कोर्ट परिसरों के बाहर भी समाज औरतों को वास्तविक सम्मान देगा ताकि हम लैंगिक समानता से युक्त समाज रच सकें। कोर्ट द्वारा दिखाया गया नारी सम्मान का रास्ता आम लोगों को कुछ तो सिखायेगा!



छले एक वर्ष से राहुल गांधी स्वयं के और अपनी पार्टी कांग्रेस के राजनीतिक पुनरुत्थान का प्रयास कर रहे हैं। इस दिशा में सबसे पहला उल्लेखनीय कार्यक्रम था भारत जोड़ो यात्रा, जिसके पांच महीने के वांकर्थान के दौरान उन्हें एक साहसी सेनानी की भूमिका निभाते हुए देखा गया। उसके बाद के पांच महीने उन्होंने संसद के बाहरे बिताए, जिस दौरान उन्हें राजनीतिक शहीद की भूमिका निभाने का मौका मिला। राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्यता पर रोक लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले से शायद उनकी शहीदी परेड पर रोक लग गई हो। फिर भी, यह निर्णय कांग्रेस के अन्यायपूर्ण दंड के दावे को भी पुष्ट करता है।

इंद्रिया गांधी और राजीव गांधी की हत्या से लेकर सोनिया गांधी के त्याग तक, स्पष्ट विचारधारा के अभाव के बावजूद गांधी परिवार की शहादत के आख्यान ने कांग्रेस को एक आवश्यक गोंद प्रदान किया है जिससे कांग्रेस के नेता चिपके रहे हैं।

जो भी हो, 'रोब्राडिंग राहुल' की यह विशेष पुनरावृत्ति पिछले संस्करण की तुलना में अधिक फलदायी रही है। इसने न केवल कांग्रेस बल्कि बड़े विपक्षी गठबंधन में भी गांधी की केंद्रीय भूमिका को मजबूत करने में मदद की है। कई कांग्रेस समर्थकों का मानना है कि अब तरातोता गांधी के लिए तीसरा और अंतिम कदम उठाने का मंच तैयार हो गया है, और वह है प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के प्राथमिक चुनौतीकर्ता की भूमिका।

लेकिन इस सवाल पर कांग्रेस अभी भी खुद को मुश्किल में फंसा हुआ पाती है। इसकी 2024 की रणनीति दो परस्पर विरोधी लक्ष्यों से बनी है:

व्यापक विपक्षी एकता की उपलब्धि और पूर्व में 'कांग्रेस की राजनीतिक जगह' की पुनः प्राप्ति।

कांग्रेस को अहसास है कि राष्ट्रीय एजेंडे पर जनमत संग्रह के रूप में राष्ट्रपति शैली की 'राहुल बनाम मोदी' प्रतियोगिता, उसके लिए अनुकूल रूप से काम नहीं कर सकती है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में कुल 186 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई थी जिसमें से कांग्रेस 171 सीटें हार गई थी। इनमें से अधिकतर सीटें उत्तरी और मध्य भारत में हैं जहां मोदी और गांधी

के खिलाफ साझा मंच बनाने की ओर धकेलता है।

हरिहर स्वरूप

यह बहुत संभव है कि कांग्रेस द्वारा गांधी को अपने प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में पेश करने का कोई भी कठोर प्रयास भारत गठबंधन द्वारा शुरू की गई व्यापक विपक्षी एकता के लक्ष्य को, कम से कम, इसके वर्तमान विन्यास में विफल कर देगा। अयोग्यता ने न केवल विपक्षी दलों के बीच एक साझा खतरे की धारणा को बढ़ावा दिया, बल्कि इसने पीएम उम्मीदवार के जटिल मुद्दे को भी आसानी से खत्म कर दिया था, जिससे साथी

कांग्रेस को अहसास है कि राष्ट्रीय एजेंडे पर जनमत संग्रह के रूप में राष्ट्रपति शैली की 'राहुल बनाम मोदी' प्रतियोगिता, उसके लिए अनुकूल रूप से काम नहीं कर सकती है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में कुल 186 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई थी जिसमें से कांग्रेस 171 सीटें हार गई थी। इनमें से अधिकतर सीटें उत्तरी और मध्य भारत में हैं जहां मोदी और गांधी के बीच लोकप्रियता का अंतर अभी भी बहुत बड़ा है।

के बीच लोकप्रियता का अंतर अभी भी बहुत बड़ा है।

उदाहरण स्वरूप मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए सी-वोटर सर्वेक्षण से पता चला है कि 57 फीसदी लोगों ने पीएम के लिए अपनी पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में मोदी पर भरोसा जारी रखा है, जबकि इससे कहीं बहुत कम 18फीसदी लोग राहुल के पक्ष में हैं। ऐसी स्थिति ही कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों दोनों को एक राष्ट्रीय चुनाव को राज्य स्तरीय चुनावों की श्रृंखला में बदलते हुए एक शक्तिशाली सत्ताधारी

पीएम पद के दावेदारों अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार का प्रवेश संभव हो गया था। इस प्रकार, गांधी के संसदीय कैरियर का स्वागत भारत गठबंधन से जुड़े नाजुक राजनीतिक समीकरणों को जटिल बनाता है।

अपने गठबंधन सहयोगियों की चिंताओं को दूर करने का एक सीधा तरीका राहुल गांधी को विवाद से बाहर करना होगा। फिर भी, प्रधानमंत्री कार्यालय का ऐसा त्याग कांग्रेस की रणनीति के दूसरे लक्ष्य- 'कांग्रेस स्पेस' की पुनःप्राप्ति- के लिए

हानिकारक हो सकता है।

कांग्रेस स्पेस से हमारा क्या तात्पर्य है? सीधे शब्दों में कहें तो, यदि आप समग्र रूप से भारतीय राजनीतिक स्थान लेते हैं, और हिंदू राष्ट्रवाद, मंडल राजनीति और विशिष्ट उप-राष्ट्रवाद को हटा देते हैं, तो उदारवादी केंद्र-वाम राजनीति का शेष स्थान कांग्रेस स्थान कब्जा जा सकता है।

पिछले तीन दशकों में कांग्रेस सिक्कुड़ गई है क्योंकि उसने कई पार्टियों के हाथों अपनी जगह खो दी है। इसमें से कुछ को पुनः प्राप्त करने के लिए कांग्रेस गांधी परिवार की बढ़ती राष्ट्रीय प्रासंगिकता को साधन बनाने की कोशिश कर रही है।

कोई यह तर्क दे सकता है कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में पेश करने से पार्टी को कुछ राज्यों में मदद मिल सकती है जहां उसे इस क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी दावेदारों का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री पद के लिए प्रमुख दावेदार के रूप में गांधी पर जोर देने से पंजाब, दिल्ली और तेलंगाना में त्रिकोणीय लड़ाई में कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ सकता है।

द्विधुयीय राज्य केरल में, पार्टी पिछले संसदीय चुनावों में वामपंथियों की हार को दोहराने के लिए काफी हद तक गांधी पर निर्भर है। उनके चारों ओर राष्ट्रीय नेतृत्व की आभा संभावित रूप से यूपी और बंगाल जैसे राज्यों में आंशिक रूप से मुसलमानों और दलितों के बीच पारंपरिक रूप से कांग्रेस के आधार की लामबंदी पर प्रभाव डाल सकती है।

ध्यान रहे कि 2009 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में आश्चर्यजनक रूप से 21 लोक सभा सीटें जीती थीं, जो आंशिक रूप से गांधी की स्पष्ट नेतृत्व भूमिका के कारण थी, जिसे एक तरह से 'प्रतीक्षारत पीएम' के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

उठ रही है वृहदनागालिम की मांग

आशीष विश्वास

तल ही में नागा आदिवासियों ने भारत सरकार और पूर्वोत्तर राज्यों को याद दिलाया था कि मणिपुर की समस्याओं का कोई अंतिम समाधान 'वृहदनागालिम' की मांग को संबोधित किये बिना संभव नहीं होगा, जिस पर कोई उल्लेखनीय सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं हुई है।

अधिकांश पूर्वोत्तर-आधारित पर्यवेक्षकों ने कहा कि चूँकि मणिपुर में रहने वाले नागाओं को हमेशा ही गैर-आदिवासी बहुसंख्यक मैतेई लोगों की तरह राज्य का 'मूलनिवासी' माना जाता है, इसलिए यह केवल समय की बात है कि वे अपना रुख स्पष्ट करें क्योंकि एक ताजा जातीय संघर्ष छिड़ गया है, जिसमें इस बार कुकी शामिल हैं।

हिंसा के वर्तमान दौर में सीधे तौर पर शामिल नहीं होने के बावजूद, ज्यादातर ईसाई होने के कारण नागा लोग

मणिपुर में व्याप्त स्थिति के कुछ पहलुओं से परेशान थे। कुछ चर्चों और अन्य पूजा स्थलों को जला दिया गया, जिससे समुदाय चिंतित हो गया। नागालैंड मीडिया ने घटनाओं का विस्तृत ब्यौरा दिया और प्रमुख नागा संगठनों ने चर्चों में आम लगाने की निंदा की।

हाल के सप्ताहों में, कुछ पर्यवेक्षकों के अनुसार, कुकी जनजाति और नागाओं के बीच कुछ हद तक सहमति बनती दिख रही है। वृहदनागालैंड की लंबे समय से चली आ रही मांग पर तत्काल सरकारी निर्णय के लिए नागाओं की नवीनीकृत अपील को अब कुकियों ने समर्थन दिया है। यह इस साल 3 मई को भड़की हिंसा के शुरुआती चरण के दौरान कुछ नागा संगठनों द्वारा अपनाये गये पहले के रुख से बदलाव का संकेत देता है।

जैसे-जैसे जातीय हिंसा नियंत्रण से बाहर होती गई, कुकी समुदाय की ओर से मणिपुर के भीतर एक अलग क्षेत्र की जोरदार मांग उठी, जो मैतेई और भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित (भाजपा) राज्य प्रशासन के एक वर्ग द्वारा लक्षित महसूस कर रहा था। ऐसा राज्य विधानसभा में कुकी नेताओं की अच्छी-खासी संख्या के बावजूद है, जो भाजपा के टिकट पर चुने गये थे।

इन नेताओं ने मणिपुर प्रशासन से बेहतर सुरक्षा की मांग करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और अन्य से मिलने के लिए दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने कुकी और अन्य आदिवासियों के लिए एक नये क्षेत्र के लिए भी दबाव डाला। पड़ोसी राज्य मिजोरम में, जहां कई डरे हुए कुकी परिवार सशस्त्र हमलावरों से भाग गये थे, नई कुकी मातृभूमि के आह्वान ने नई गति पकड़ ली। कोई और नहीं बल्कि मिजोरम के मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा, जिन्होंने मुश्किल में फंसे बेघर प्रवासियों को आश्रय प्रदान करके कुकी को लौट जित लिया, ने सार्वजनिक रूप से मणिपुर को तीन अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया। इतना बड़ा बदलाव करने का तर्क मैतेई और कुकी, जो, हमार, चिन और नागा जैसे विभिन्न जनजातियों के बीच भविष्य में जातीय शांति और सद्भाव सुनिश्चित करना था।

अधिकांश पूर्वोत्तर-आधारित पर्यवेक्षकों ने कहा कि चूँकि मणिपुर में रहने वाले नागाओं को हमेशा ही गैर-आदिवासी बहुसंख्यक मैतेई लोगों की तरह राज्य का 'मूलनिवासी' माना जाता है, इसलिए यह केवल समय की बात है कि वे अपना रुख स्पष्ट करें क्योंकि एक ताजा जातीय संघर्ष छिड़ गया है, जिसमें इस बार कुकी शामिल हैं।

आश्चर्य की बात नहीं, भारत सरकार और भाजपा नेता बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली मणिपुर

राज्य सरकार दोनों ने इस विचार को तुरंत खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री श्री सिंह को पद छोड़ने की मांग भी खारिज कर दी गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद कुकी नेताओं के साथ और विभिन्न मंचों पर अपनी बैठकों में प्रस्तावित बदलावों को खारिज कर दिया।

यही वह समय था जब मणिपुर मीडिया के कुछ हिस्सों ने इस मामले पर कुछ नागा नेताओं के विचारों को प्रसारित किया। उन्होंने तर्क दिया कि केवल गैर आदिवासी मैतेई और नागा ही मणिपुर के मूल और सबसे पुराने निवासी थे। जहां तक कुकियों का सवाल है, ऐतिहासिक संदर्भों से पता चलता है कि वे ऊँचीसवीं सदी के मध्य या उसके आसपास बर्मा से आये थे। किसी भी अन्य चीज से अधिक, यह संदेश पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजनीतिक परिदृश्य में सभी सक्रिय हितधारकों के लिए एक सौम्य अनुस्मारक था, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि किसी भी शीर्ष स्तर के निर्णय लेने की प्रक्रिया में कुकियों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

जब विभिन्न जातियों द्वारा क्षेत्रीय या अन्य दावों से संबंधित मुद्दों को निपटाने की बात आती थी, तो वे मैतेई लोगों की तरह ही अपनी राजनीतिक स्थिति पर जोर देने के लिए उत्सुक थे। जटिल पूर्वोत्तर राजनीतिक परिदृश्य में यह हमेशा एक अति संवेदनशील मुद्दा रहा है।

वृहदनागालैंड मुद्दे पर नागाओं को समर्थन कुकी और हमार से मिला। नागा संगठनों ने अपनी लंबे समय से लंबित मांग पर केंद्र से तत्काल कार्रवाई के लिए दबाव बनाने के लिए 9 अगस्त को मणिपुर के चार जिलों- चंदेल, तामेंगलांग, उखरुल और सेनापति - में सार्वजनिक रैलियां आयोजित कीं, जहां संख्या के लिहाज से उनकी उपस्थिति महत्वपूर्ण है। भारत के प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन में, उन्होंने 3 अगस्त, 2015 को समुदाय के नेताओं और भारत सरकार के बीच हुए रूपरेखा समझौते के प्रावधानों का उल्लेख किया।

कुकी समुदाय की ओर से, कुकीइन्पी मणिपुर (केआईएम) और हमार के लिए हमारइन्पुई ने रैलियों के प्रायोजक यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनसी) के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। बाद के एक बयान में, कुकी नेताओं ने क्षेत्र में विभिन्न जनजातियों द्वारा समय-समय पर उठाई जाने वाली आम शिकायतों पर जोर दिया, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र में भेदभाव, मौलिक और संवैधानिक अधिकारों की हानि और नीति निर्माताओं, प्रशासकों और प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा आदिवासी हितों की उपेक्षा का आरोप लगाया गया। रिकॉर्ड के लिए, मणिपुर में 3 मई से शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 160 लोग मारे गये हैं। 700 से अधिक लोग घायल हुए और अनुमानित 10,000 लोग विस्थापित हुए क्योंकि भीड़ की हिंसा के कारण सैकड़ों घर, कार्यालय और दुकानें जल गईं।

पावन प्रसंग

परिवर्तन से नए अवसर की उत्पत्ति

जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है।

जब जब मनुष्य ने जड़ता को ललकारा है तब तब परिवर्तन ने दस्तक दी है, और प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ-साथ बड़े तथा महान अवसर लेकर आया है। इस अवसर का जिसने भी सदुपयोग कर लाभ उठाया है और अपने अनुकूल बनाने का ऊर्जा के साथ प्रयास किया है वह विश्व विजेता बनने में सक्षम हुआ है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस-आई हैव ए ड्रीम की कल्पना की थी वह जीवन के नए अवसर की कल्पना थी। महात्मा गांधी जी ने भी जिस स्वराज की कल्पना अपने मन में की थी वह भी उसी नए अवसर की खोज में उसकी तरफ छेड़ा गया एक अभियान था और बराक ओबामा ने भी कहा था- 'यस वी कैन' ने भी बड़े परिवर्तन को सच्चाई के अवसर की तलाश थी। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी मनुष्य से देवत्व की यात्रा का वर्णन किया था वह भी परिवर्तन के मुख्य द्वार से होकर गुजरता था। जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है। अवसर के मार्ग को खोलकर बड़ी विजय की महायात्रा प्राप्त हो सकती है। मूलतः परिवर्तन जीवन की एक मूलभूत विशेषता और एक जरूरी सत्य है बल्कि बेहतर कल तथा विकास के प्रत्येक सपने का हल भी होता है। परिवर्तन में अवसर तलाशने की यात्रा का अस्तित्व ही एक विजय गीत का गान है।

परिवर्तन की इस महा प्रक्रिया का स्वयं इस बात का साक्ष्य है कि परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी है या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती है। और इसमें वह सारे और अवसर निहित होते हैं जिनका चयन ही भविष्य की बुनियाद तय करता है और इस शून्य के काल में किया गया प्रयत्न और प्रयास भविष्य के बड़े भाग्य को तय करता है और किसी समय चक्र के बार-बार परिवर्तन को ही जीवन की संज्ञा दी गई है। गीता में कृष्ण ने इस परिवर्तन वह उसमें अंतर्निहित मौके की तलाश करने का संकेत दिया है। मानवीय इतिहास में भी यदि नजर दौड़ाई जाए तो पहला परिवर्तन 1215 में नागरिक अधिकार पत्र यानी मैनाकार्ड की प्राप्ति हुई थी। 12वीं और 13वीं सदी का समय सामंती प्रथा व क्रूरता से भरा समय था जहां मनुष्य एक साधन मात्र था और उसी समय जनता को ललकारते हुए परिवर्तन का महत्व तथा सपना मनुष्य के दिमाग में पैदा हुआ, परिवर्तन की इस चड़ी ने एक अवसर को जन्म दिया था और उसी अवसर का उपयोग करते हुए मानव को नागरिक अधिकार पत्र प्रदान किया था। अब मनुष्य स्वयं का कर्ताधर्ता था और उसी नागरिक अधिकार पत्र में किए उल्लेख का परिणाम है कि आज हर समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र के आधार पर दिया जाता है। बीसवीं सदी ने जड़ता पर चोट की, मशीनों के शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का उपहार दिया था। इस बड़े परिवर्तन ने संपूर्ण मानव समाज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया पूरी कार्यप्रणाली को सरल बनाने और संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का उपहार भी दिया था।

संजीव कुमार



आपके पत्र

हिमालय में सदी की सबसे बड़ी त्रासदी, कुदरत का रौद्ररूप

हिमालय प्रदेश में कुदरत ने कहर ढाया है जिसकी क्षति की पूर्ति करना शायद इसलिए संभव नहीं है कि भवनों, रेलवे लाइन और मन्दिर की क्षतिपूर्ति करना कठिन तो है, फिर भी मुमकिन है, लेकिन लोगों की मौत की क्षतिपूर्ति मनुष्य के हाथ में नहीं है। हर एक व्यक्ति कुदरत के रौद्ररूप से लाचार है। शिमला पर पहाड़ गिरने से मलबे में दबे लोगों की मौत हुई है। महीने भर में बारिश में करीब दो सौ लोग मारे गए हैं। मन्दिर के गर्भगृह में दबे लोगों के लिए बचाव के कार्य युद्ध स्तर से किये गए हैं, लेकिन अभी तक कोई जिवित शायद ही निकल पाए। यह कुदरत की मार है जिसके चलते करीब तीन सौ पर्यटकों के फंसने का अनुमान था। पहाड़ बारिश का कहर नहीं झेल पा रही है। सुखविंदर सुक्खू के लिए मेन्टेन्स

करना मुश्किल होता जा रहा है। दस हजार करोड़ का नुकसान सदी की बड़ी त्रासदी बताया गया। उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा के मार्ग टूटें हैं तो मन्दिर जाने वाले रूट की रेल पटरी हवा में झूलती नजर आई थी। नीचे से पहाड़ खिसक गया। शिमला और समारहिल पहाड़ी पर स्थित शिव मंदिर पहाड़ दरकने से मलबे की ढेर में समा गया था और मन्दिर के मलबे को करीब एक किमी दूर ले गया है। भूस्खलन की चपेट में आ गया है। तेज बारिश के कारण पहाड़ की गलन बढ़ गई है जिससे लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने हालात का जायजा लिया और यथासंभव मदद करने का आश्वासन दिया है। भारी भरकम नुकसान ने सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। लोगों की जान जाने से स्थिति दयनीय बन गई

है। चट्टानों की दरारों से पानी रिसने के कारण नुकसान बढ़ता जा रहा है। देश में शिमला की त्रासदी बहुत ज्यादा है। 12 सौ सड़कें बन्द हैं। 120 साल पुराना ट्रेक बारिश के कारण दहक गया है। इस आफत से बचने के लिए लोगों की हर तरह की मदद दी जा रही है। सरकार की मदद किसी भी हालत से मिलनी चाहिए। जो लोग बेघर हुए हैं उनके पुनर्वास की जवाबदेही सरकार की है, लेकिन अभी उनके खाने-पीने और रहने की व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता पर ध्यान देना आवश्यक है। कालका-शिमला ट्रेक पर रेल पटरी हवा में झूलती जा रही है। इस लाइन के रिनोवेशन और फिर से ट्रेन सुचारू रूप से चालू करने करना सरकार की बड़ी जिम्मेदारी है।

कान्तिलाल मांडोल, सूरत

एक जिज्ञासा सभी से

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी भवनों पर रोशनी की गई परंतु निजी व्यावसायिक भवनों, दुकानों और आवासों पर अंधेरा छाया रहा। क्या आजादी का उत्सव केवल सरकार के लिए है? क्यों आम नागरिक, विशेषकर दुकानदार अपनी दुकानों पर और निजी व्यापारिक कार्यालयों के संचालक एवं अधिकारी अपने कार्यालय भवनों पर दीपावली की तरह स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर रोशनी नहीं करते? एक जिज्ञासा।

— एल. एस. हरदेनिया

पत्रकार एवं संयोजक राष्ट्रीय सेक्युलर मंच

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

शासकीय आइटीआई रायसेन में प्लेसमेंट ड्राइव आज

रायसेन, देशबन्धु। शासकीय आइटीआई में 18 अगस्त को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस ड्राइव में आइटीआई पास ऐसे युवक जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष आयु के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी द्वारा प्राप्त विवरण अनुसार चयनित होने पर मानदेय दिया जाएगा। इसके लिए आज जिला स्तरीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन शासकीय आइटीआई में किया जा रहा है। प्लेसमेंट ड्राइव में आइटीआई पास उम्मीदवार अपने समस्त मूल दस्तावेजों एवं उनकी छायाप्रति के साथ सुबह 09.30 बजे उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं।

रोग गुरु कादरी को मिला सम्मान

गंजबासोदा, देशबन्धु। योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए प्रसिद्ध योग गुरु सैयद शफाकत हुसैन कादरी को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधायक लीना जैन जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी नगर पालिका अध्यक्ष शशिष यादव एवं एसडीएम विजय राय द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। गया इसी प्रकार नगर पालिका में सांसद प्रतिनिधि देवेन्द्र यादव वरिष्ठ नेता मनोज यादव भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष समीर किरमानी ने पुष्प मालाओं एवं तिलक लगाकर कादरी का सम्मान किया मालूम हो कि कादरी नगर के विभिन्न स्कूलों में बच्चों को योग की शिक्षा देकर प्रशिक्षित कर रहे हैं साथ ही नगर में शिविर के आयोजन कर लोगों को योग के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं इसके अलावा संस्कृत के प्रचार प्रसार में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कृषि उपज मंडी में एसडीएम भारसाधक अधिकारी ने किया झंडा वंदन

भेरुन्दा/नसरुल्लागंज, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी समिति में सुबह 7.30 एसडीएम भारसाधक अधिकारी एम.एस. रघुवंशी द्वारा झंडा वंदन किया गया। उसके बाद सभी कर्मचारियों को एसडीएम श्री रघुवंशी द्वारा स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से शामिल रहे कृषि उपज मंडी समिति के सचिव अतुल कुमार राठौर मंडी इस्पेक्टर उमेश सिंह धुर्वे एवं कृषि उपज मंडी के सभी अधिकारी कर्मचारी हम्माल तुलावटिये व सभी व्यापारी मुख्य रूप से शामिल रहे।

परेशान व्यापारियों ने सांकेतिक रूप से दुकानें बंद रखकर जताया विरोध लिंग रोड़ चौड़ीकरण का कार्य जल्द पूरा करें



सिरोंज, देशबन्धु। कायाकल्प योजना के तहत जारी लिंग रोड़ का चौड़ीकरण का जल्द पूरा करने की मांग को लेकर आज स्थानीय व्यापारियों ने दोपहर 12 बजे तक सांकेतिक रूप से अपनी दुकानें बंद रखी और रैली की शक्ति में तहसील कार्यालय पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। ज्ञात हो कि लिंग रोड़ चौड़ीकरण का कार्य बीते 2 माह से बंद है। ठेकेदार द्वारा लिंग रोड़ को दोनों तरफ से खोदकर पट्टक दिया और उसके बाद काम बंद कर दिया है, जिसकी वजह से व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बात को लेकर इस सड़क पर मौजूद सभी व्यापारिक संस्थान बंद रहे। जिसके बाद वरिष्ठ व्यापारी राजेश मिश्रा और किसान नेता सुंदर रघुवंशी के साथ वाहन रैली के रूप में तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसील कार्यालय के बाहर बैठकर जमकर नारेबाजी की। उन्होंने लिंग रोड़ को सिरोंज की लाइफ लाइन बताते हुए कहा कि व्यापार का मुख्य केंद्र होने के

2 दिन से लापता व्यक्ति की कुएं में मिली पत्थर से बंधी लाश, हत्या की आशंका

गैरतगंज तहसील के पेनगवां गांव की घटना

गैरतगंज, देशबन्धु। तहसील के पेनगवां गांव में अपने घर से समीप के खेत में सब्जी लेने गए दो दिन से लापता एक व्यक्ति की खेत के पास बने कुएं में संदिग्ध हालत में पत्थर से बंधी लाश बरामद हुई है। तपतीश में करंट से मौत के बाद कुएं में लाश फेंके जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस पड़ताल में लगी हुई है।

जानकारी के मुताबिक पेनगवां गांव में बीते दो दिन पहले 40 वर्षीय व्यक्ति भारतसिंह पिता हरिराम यादव पास के ही खेत में सब्जी तोड़ने निकला था तथा वहां से वापस घर नहीं लौटा। तलाश के बाद भारतसिंह का पता न चलने पर उसकी पत्नी रुक्मिणी ने गुरुवार को इसकी सूचना पुलिस में दर्ज कराई। इस बीच ग्रामीणों



को नजदीक के उंसरमेंटा गांव के पास ही खेत से लगे कुएं में भारतसिंह की पत्थर से बंधी लाश होने की जानकारी लगी। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर लाश को बाहर निकलवाया। पुलिस तपतीश एवं शार्ट पीएम रिपोर्ट में पता चला है कि खेत में सब्जी लेने गए भारतसिंह

की मौत खेत में फैले बिजली के करंट लगने से हुई है, वहीं बाद में उसे पत्थर से बांधकर कुएं में फेंका गया है। मौके पर लाश को खींचने एवं खून के खेत में निशान भी मिले हैं। पुलिस ने बताया कि जिस खेत में मृतक का जूता, खून एवं

घसीटने के निशान मिले हैं वह पेनगवां के रहने वाले रणधीर सिंह यादव का है। खेत से बिजली के तार भी बरामद हुए हैं तथा करंट वाले स्थान से कुएं तक घसीटने के साफ साफ निशान दिखाई दे रहे हैं। जिस कुएं में लाश मिली है वह उंसरमेंटा निवासी राजाराम लोधी का है। मौके पर मौजूद मृतक के भतीजे राजेश यादव द्वारा खेत में फसल के चारों ओर करंट फैलाया था उसी से उनके चाचा भात को करंट लगा। करंट का निशान मृतक के पैर में पाया गया है तथा बाद में अपनी गलती छुपाने बेरहमी से लाश को खींचकर कुएं में पत्थर बांधकर डाल दिया गया। पुलिस थाना प्रभारी महेश टांडेकर ने बताया कि पूरा मामला संदिग्ध है तथा हत्या किए जाने की आशंका है। फिलहाल शव की विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस खेते के मालिक रणधीर सिंह से पूछताछ कर रही है।

भेरुन्दा तहसील के पटवारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित



भेरुन्दा/नसरुल्लागंज, देशबन्धु। भेरुन्दा तहसील के पटवारियों का उत्कृष्ट कार्य एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करने पर उनको स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सीहोर जिला मुख्यालय पुलिस लाइन स्वतंत्रता

दिवस के मुख्य कार्यक्रम स्थल पर हरदीप सिंह डंक मंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं शीलड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शामिल रहे सीहोर विधायक सुदेश राय सीहोर जिला कलेक्टर प्रवीण सिंह एसपी

मर्याद अवस्थी। सम्मानित होने वाले पटवारियों में मुख्य रूप से राजेश कुमार धनवारे हल्का नंबर 56 नगर भेरुन्दा क्षेत्र के पटवारी को उत्कृष्ट कार्य एवं मध्य प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को समय से क्रियान्वयन करने पर सम्मानित किया गया। पटवारी रमेश दायमा, पटवारी रोहित कीर एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के डाटा कंप्यूटर ऑपरेटर ललित वर्मा को भी प्रशस्ति पत्र एवं शीलड देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान पर सभी तहसील कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा एवं भेरुन्दा तहसील क्षेत्र वासियों द्वारा सभी को बधाई दी गई है।

12 दिन बाद एक घंटे हुई झमाझम बारिश

पानी को तरस रही फसलों को मिलेगी ताकत



रायसेन, देशबन्धु। पांच अगस्त के बाद गुरुवार की शाम शहर सहित क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई। पीने आठ बजे शुरू हुई बारिश एक घंटे तक जारी रही। जिससे शहर तरबतर हो गया। 12 दिन बाद हुई बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई, जबकि पानी के लिए तरस रही फसलों को नई ताकत मिली। लंबे समय से बारिश नहीं होने से खरीफ की फसलें

चली है। विशेषकर बेतवा, सतधारा, तेंदोनी, दूधी नदी अभी तक उफान पर नहीं आई हैं। बेगमगंज की बीना नदी और सिलवानी की बेगम नदी जरूर दो बार उफान पर आ चुकी हैं।

जिले में अब तक 761.8 मिमी बारिश हुई

एक जून से गुरुवार सुबह तक जिले में कुल 761.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 267.6 मिमी कम है। जिले सामान्य औसत बारिश 1197.1 मिमी है। अभी तक रायसेन में 480.2 मिमी, गैरतगंज में 862.6, बेगमगंज में 889.3, सिलवानी में 682, गौहरगंज में 539.6, बरेली में 1002.4, उदयपुर में 988.5, बाड़ी में 656.5, सुल्तानपुर में 570 तथा देवरी में 946.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

शादीशुदा युवती को भगा ले गया युवक, पीड़ित परिवार ने एसपी से की कार्रवाई की मांग



मुर्ना, देशबन्धु। जिले के जोरा थाना अंतर्गत पटवापुरा गांव से 13 अगस्त की सुबह कुशावाह समाज का युवक गुर्जर समाज की शादीशुदा युवती को बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया तथा आरोपी के पिता द्वारा पंचायत में 2 दिन के अंदर हाजिर कराने की बात कही, फिर भी वह हाजिर नहीं हुआ। पीड़ित गुर्जर समाज एवं कुशावाह समाज के लोगों ने आरोपी के खिलाफ गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है। लडकी के पिता रामनिवास गुर्जर ने समाज के लोगों के साथ गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देते हुए बताया कि 13 अगस्त की सुबह 4 से 5 के बीच आरोपी रानू कुशावाह पुत्र रामेश्वर उसकी

19 वर्षीय शादीशुदा पुत्री को बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया और साथ में 15 तोला सोना एवं दो लाख रुपए नगदी भी ले गए हैं। उक्त घटना में सतीश कुशावाह एवं सुबेदार गुर्जर का भी हाथ बताया गया है। पीड़ित रामनिवास ने बताया कि घटना के बाद आरोपी के पिता रामेश्वर ने भरी पंचायत में 2 दिन के अंदर लडकी एवं आरोपी को हाजिर करने की बात कही थी, लेकिन फिर भी कुछ नहीं हुआ। जोरा थाने में भी शिकायत की गई, परंतु कोई सुनवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने बीट प्रभारी पर तामाम गंभीर आरोप लगाए हैं। गुर्जर समाज के लोगों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर अतिशीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

व्यापारी पर गोली चलाने वाले बदमाश को पुलिस ने पकड़ा

मुर्ना, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा मुर्ना जिले में गंभीर अपराधों में फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु वर्तमान में चलाए जा रहे अभियान के तहत आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह ठाकुर के निर्देशन में अंबाह पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए 15 अगस्त को जयश्वर रोड पर एक दुकानदार पर फायर करने वाले आरोपी को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार व्यवसायी गौरव जैन अपनी दुकान पर बैठा था, उसी दौरान अपराधी ने आकर उससे कोल्ड ड्रिंक मांगी और बहस करने लगा। बहस के दौरान आरोपी ने गौरव को गोली मार दी, जिसमें गौरव घायल हो गया और उसे उपचार के लिए मुर्ना रेफर कर दिया।

गौरव के भाई अरविंद की फरियाद पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया और अपराधी की तलाश प्रारंभ कर दी। पुलिस ने मुखबिर् की सूचना के आधार पर किला स्कूल की तरफ जाकर अपराधी की घेराबंदी का वाचन कर फॉर्म 6, 7 और 8 का आवेदन भी प्राप्त करेंगे। जो नागरिक 1 अक्टूबर 2023 की तारीख पर 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन लिए जा रहे हैं। आगामी 31 अगस्त तक प्राप्त हुए आवेदनों का निराकरण 22 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। चार अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

पंचायत को कंप्यूटराइज बनाने पर सरपंच को प्रभारी मंत्री ने किया सम्मानित



गंजबासोदा, देशबन्धु। नेशनल हाईवे मार्ग से जुड़ी अंबा नगर पंचायत को कंप्यूटराइज करने के साथ ही मुख्य चौराहे पर अपने खर्चे से सीसीटीवी कैमरे लगवा कर सुखियों में आए सरपंच राजेंद्र सिंह दांगी को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है। मालूम हो कि अंबा नगर पंचायत नेशनल हाईवे मार्ग से जुड़ी हुई होने के कारण यहां 24 घंटे भारी वाहनों का

निकलना लगा रहता है। इस मार्ग पर कई बार को तस्करी के मामले भी सुखियों में आए थे। इसलिए सरपंच ने अपने खर्चे पर मुख्य चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। इसकी मानीटरिंग के लिए कंप्यूटर सिस्टम पुलिस चौकी में फिट करवाया है। यहां एक पुलिसकर्मी 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे पर निगरानी रखता है। जिससे होने वाले अपराधों निकलने वाले वाहनों पर नजर रखी जाती है। कई बड़े अपराधियों का भंडाफोड़ भी सीसीटीवी

नेशनल हाईवे को जोड़ने वाले अंबा नगर चौराहे पर अपने खर्चे से लगाए सीसीटीवी कैमरे

कैमरे की मदद से हो चुका है। अंबा नगर चौराहा एन एच 46 से जुड़ा होने के कारण। सबसे व्यस्ततम मार्ग में गिना जाता है। सरपंच राजेंद्र सिंह दांगी को अपनी पंचायत में उल्कृष्ट कार्य करने पर मिले सम्मान को लेकर ग्रामीणों में भी हर्ष व्याप्त है जब सरपंच वापस गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने भी हार फूल माला पहनाकर उनका सम्मान किया। सरपंच राजेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने पंचायत में कंप्यूटर लगा रखा है जिसमें पूरे ग्रामीण का डाटा फोड है साथ ही विभिन्न योजनाओं की फिलहाल ज्ञात नहीं हुआ है। देवगढ़ थाना पुलिस ने रामअवतार धोबी की रिपोर्ट पर से मार्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

औंबेदुल्लागंज और मण्डीदीप में श्रीमती भदौरिया ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से किया संवाद छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए किया प्रेरित

रायसेन, देशबन्धु। जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर श्री अरविंद दुवे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज जिला पंचायत सीईओ तथा स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा औंबेदुल्लागंज में वीर सावरकर शासकीय महाविद्यालय और मंडीदीप में राजा भोज शासकीय महाविद्यालय पहुंचकर छात्र छात्राओं से संवाद किया गया। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने तथा आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन आवेदन



भी कर सकते हैं। साथ ही ऐसे युवा जिनकी आयु 17 वर्ष से अधिक हो गई है लेकिन 18 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं हुई है, वह भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। फोटो निर्वाचक नामावली द्वितीय

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 कार्यक्रम के तहत जिले में 02 अगस्त से 31 अगस्त तक वीएलओ द्वारा, मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, वोटर लिस्ट में संशोधन, दोहरा प्रवृष्टि वाले मतदाताओं

के नाम हटाने के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। यह विधानसभा निर्वाचन-2023 के पूर्व मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने तथा हटवाने का अंतिम अवसर है।

जिले में 19 और 20 अगस्त को विशेष शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान समस्त वीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेंगे और मतदाता सूची का वाचन कर फॉर्म 6, 7 और 8 का आवेदन भी प्राप्त करेंगे। जो नागरिक 1 अक्टूबर 2023 की तारीख पर 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन लिए जा रहे हैं। आगामी 31 अगस्त तक प्राप्त हुए आवेदनों का निराकरण 22 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। चार अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

सार समाचार

राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी ने किया पौधरोपण



इटारसी, देशबन्धु। राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी जिला नर्मदा पुरम इटारसी की सभी पदाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस मनाया एवं पुरुषोत्तम मास में हरियाली तीज मनाकर पौधरोपण किया। 551 पौधरोपण के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते हुए हिंदू वाहिनियां पौधरोपण कर रही हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अर्चना मालवीय, ब्लॉक अध्यक्ष चांदनी शुक्ला, साधना मालवीय, संरक्षक ममता मालवीय, नीलम मालवीय, ज्योति त्रिवेदी, संगीता साहू, ज्योति तोमर, सविता शर्मा, भावना यादव, अनु सिंह, संगीता पटेल एवं सदस्य मौजूद रहे।

पैसेंजर और मेमो ट्रेन में बढ़ेंगे यात्री डिब्बे, यात्री सुविधा हेतु सांसद की पहल

इटारसी, देशबन्धु। लंबे अरसे से सवारी गाड़ियां पैसेंजर ट्रेन और मेमो ट्रेन में लोगों को भीड़ की अधिकता से आ रही परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य नर्मदापुरम-नरसिंहपुर सांसद उदयप्रताप सिंह द्वारा उक्त दोनों ट्रेनों में यात्री डिब्बे बढ़ाए जाने की मांग समय-समय पर रेलवे की मीटिंग में उठाई जाती रही है। सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार तत्संबंध में रेलवे द्वारा पैसेंजर ट्रेन और मेमो ट्रेन में डिब्बे बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया है। बताया गया कि शीघ्र ही दोनों ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए डिब्बे बढ़ाए जाएंगे, जिससे आम यात्रीगण सुगमता से रेल यात्रा कर सकें। वहीं शटल ट्रेन को पुनः प्रारंभ किए जाने की मांग को भी सांसद श्री राव द्वारा विगत रेल बोर्ड की बैठक में प्रमुखता से रखा गया था।

निशुल्क मोतियाबिंद शिविर में आपरेशन के लिए 37 मरीज चयनित



इटारसी, देशबन्धु। सेवा सदन प्राथमिक आंख जांच केंद्र इटारसी में जिला दृष्टिहीनता नियंत्रण समिति, वेन सिविल फाउंडेशन, मिशन फॉर विजन तथा बाबा गोदड़ी वाला धाम समिति द्वारा निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया। शिविर में ऑप्टोमेट्रिस्ट सत्यवीर सिंह ने 88 मरीजों की जांच की जिसमें 37 मोतियाबिंद के मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन हेतु सेवा सदन आई हॉस्पिटल ट्रस्ट संत हिरदाराम नगर भोपाल भेजा। इस दौरान बाबा गोदड़ी वाला धाम से समाजसेवी समुखदास चेलानी, परियोजना समन्वयक प्रिंस बेलवंशी, डाटा एंट्री ऑपरेंटर शैलजा, हेल्थ वर्कर कनक ठाकुर उपस्थित रहे।

समय पर कार्यवाही न होने से बढ़ रही हैं लंबित शिकायतों की संख्या

सीएम हेल्पलाइन: जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं 2 हजार से ज्यादा शिकायतें

अक्षय नेमा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले में सीएम हेल्पलाइन में जहां शिकायतों का अंबार लगा है, वहीं उसमें कई शिकायतें 50 दिन से अधिक समय से लंबित पड़ी हैं। ज्ञात हो कि चुनावी साल में परेशान लोगों की नाराजगी से बचने के लिए कुछ माह पूर्व सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को भी मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण में शामिल किया गया था। इसके साथ ही उन शिकायतों

लेकिन सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के अनुसार गुरुवार शाम 6 बजे तक जिले भर में करीब 9398 शिकायतें लंबित हैं। बताया जाता है कि वर्तमान में शिकायतकर्ता से संबंधित विभागों के अधिकारियों के द्वारा संपर्क किया जाता है। व्यक्ति को फोन लगाकर पूछा जाता है कि आखिर उसकी शिकायत पर कितना निराकरण किया गया। जो भी जानकारी व्यक्ति देता है, उसे पोर्टल में शिकायत के साथ दर्ज किया जा रहा है। परंतु इन सब के बाद भी पोर्टल पर जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतें

जुलाई माह में इस विभागों की शिकायतें सर्वाधिक

विभाग	शिकायत संख्या
ऊर्जा	1426
राजस्व	1001
खाद्य नागरिक आपूर्ति	236
पंचायत एवं ग्रामीण विकास	834
नगरीय विकास एवं आवास	821
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार	523
गृह विभाग	433
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी	252
सामाजिक न्याय	241
वित्त विभाग	379
महिला एवं बाल विकास	338
किसान कल्याण एवं कृषि	1034
सामान्य प्रशास	112
श्रम	134
परिवहन	57
सहकारिता	279
स्कूल शिक्षा	136
लोक निर्माण	33
खनिज	19

नगरीय प्रशासन में 50 दिनों से अधिक समय से लगभग 106 शिकायतें लंबित

आला अधिकारियों के तमाम आदेशों के बाद भी जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों में कमी नहीं आ रही है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के अनुसार जिले की नगर पालिका व नगर परिषदों में भी 50 दिनों से अधिक समय से लगभग 106 शिकायतें लंबित बनी हुई हैं। सबसे ज्यादा लंबित शिकायतें नगर पालिका नर्मदापुरम की हैं। यहां पर लंबित शिकायतें 255 हैं जिनमें 50 दिनों से अधिक समय से कुल 45 शिकायतें लंबित हैं। इटारसी नगर पालिका में 133 शिकायतें लंबित तथा 31 शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से बनी हुई हैं। पिपरिया में 64 शिकायतें लंबित तथा 22 शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से बनी हुई हैं। बनखेड़ी में लंबित शिकायतें 18 तथा 50 दिन से ज्यादा की 5 शिकायतें, सिवनीमालवा में 27 शिकायतें लंबित तथा 3 शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से बनी हुई हैं। जिले में सिर्फ बावई और सोहागपुर नगर परिषदों में 50 दिनों से अधिक समय से शून्य शिकायतें हैं।

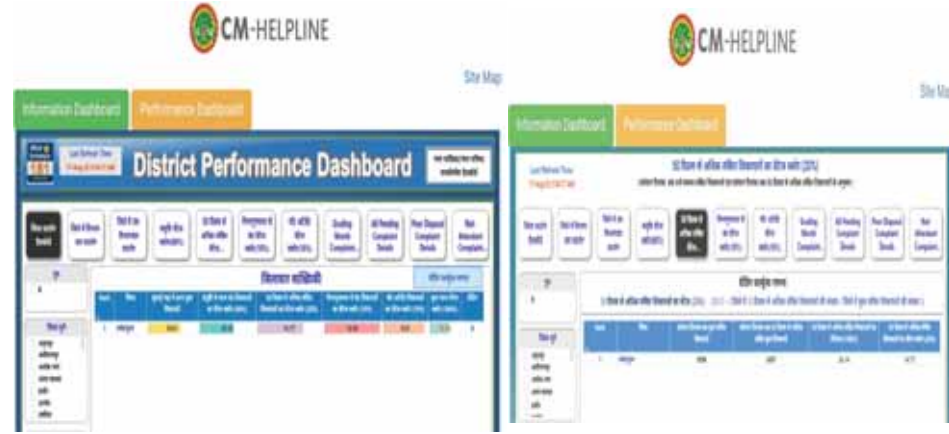
ये शिकायतें अभी भी लंबित

21 जून 2023 को ग्राम शिवपुर, सिवनीमालवा निवासी शिकायतकर्ता ने शिकायत 22816783 दर्ज कराई कि सचिव द्वारा आवेदक के खेत में मनेरगा के अंतर्गत नाली खोदी गई थी, लेकिन उस नाली को भरा नहीं गया। जिससे आने जाने में काफी असुविधा हो रही है। उक्त शिकायत पर शिकायत की स्थिति के अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा दिये गये प्रतिवेदन भी दिया है। लेकिन शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं हैं। ग्राम पंचायत-रिछी निवासी शिकायतकर्ता ने 30 जून को शिकायत 22971829 कर बताया कि सहायता राशि नहीं दी जा रही है जिससे आवेदक को परेशानी आ रही है। 07 अगस्त को शिकायत की स्थिति में शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि आवेदक की शिकायत को काफी समय हो गया है आज दिनांक तक शिकायत पर कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी है जिसके कारण काफी समस्या आ रही है। कृपया समस्या का जांच कर जल्द से जल्द निराकरण किया जाये। ऐसी अन्य शिकायतें भी लंबित बनी हुई हैं।

जुलाई माह में नगरीय प्रशासन की कहां कितनी शिकायतें आईं

नपा-परिषद	शिकायतें
बावइ	37
सोहागपुर	26
नर्मदापुरम	415
सिवनी मालवा	26
इटारसी	164
बनखेड़ी	39
पिपरिया	90

कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी है जिसके कारण काफी समस्या आ रही है। कृपया समस्या का जांच कर जल्द से जल्द निराकरण किया जाये। ऐसी अन्य शिकायतें भी लंबित बनी हुई हैं।



का त्वरित निराकरण करने के भी दावे किए गए थे। इन लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए कई दफा सभागायुक सहित कलेक्टर निर्देश दे चुके हैं परंतु शिकायतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। 07 अगस्त तक के ही कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन और समयसीमा के प्रकरणों की भी विभागीय समीक्षा की थी। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के अनुसार जिले में जुलाई माह में लगभग 8541 शिकायतें दर्ज हुई थीं। जिनमें से 5597 शिकायतें संतुष्टि के साथ बंद भी हुईं

लगभग 2457 बनी हुई हैं। वहीं जिले भर में लगभग 301 शिकायतें ऐसी हैं जो नॉट अटेंडेंट बनी हुई हैं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए जिले को बी ब्रेडिंग दी गई है।

इनका कहना है

ये शिकायतें चार हफ्ते की होती हैं। इतनी शिकायतें संभवता नहीं होंगी, मैं पता करूंगा। प्रत्येक सोमवार को कलेक्टर द्वारा इसकी समीक्षा होती है। कार्यवाही के लिए निर्देशित किया जाता है। नॉट अटेंडेंट शिकायतों के लिए पहले से ही प्रावधान है उसके अनुसार कार्यवाही की जाती है।

डीके सिंह, एडीएम, नर्मदापुरम

शासकीय कन्या शाला में हुई जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सूरजगंज में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया। संस्था के खेल शिक्षक विनोद दुबे ने बताया कि योग कार्यक्रम में बावई, सोहागपुर, बनखेड़ी, डोलरिया, मेहरा गांव स्कूल के 14 वर्ष से 19 तक आयु वर्ग के बालक बालिकाओं के योग कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य अखिलेश शुक्ला ने किया।



कार्यक्रम में पीटीआई शिक्षक अश्वनी मालवीय इटारसी, अर्पण दुबे डोलरिया, भगवती प्रसाद चौरा मेहरागांव, पंकज महतो, रामकृष्ण यादव बावई, सचिन बाथरे बनखेड़ी, पूजा तिवारी, देवराज राजपूत नर्मदापुरम, श्रीमती जया प्रभा मोर, रिमी सिंह, अशोक गोस्वामी,

महेश रैकवार सहित इटारसी शाला के सभी शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे। पूरा दिन चले इस कार्यक्रम में शाम 5 बजे परिणाम की घोषणा की गई।

एनसीसी कैडेट्स को ए सर्टिफिकेट का वितरण किया

इटारसी, देशबन्धु। सेंट मेरी स्कूल में एनसीसी कैडेट्स को सर्टिफिकेट वितरण किया गया। इस अवसर पर मैनेजर फादर विसेंट सौरा एवं प्राचार्य सिस्टर मीना परमार, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दिनेश कर्नोजिया तथा एनसीसी केप्टेनर डॉली चौरा ने नायब सूबेदार विजय पाल सिंह का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।



कर्नल दिनेश कर्नोजिया ने कैडेट्स को एनसीसी से कैरियर में होने वाले लाभ से अवगत कराया। तत्पश्चात पूर्व एनसीसी कैडेट्स को ए सर्टिफिकेट वितरित किया। इस अवसर पर 5 एमपी से आये पीआई स्टाफ हवलदार सुशील कुमार, जोतिबा पाटिल और सेंट मेरी स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

निष्पक्ष मतदान प्रजातंत्र की शक्ति है : सीईओ अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते डंपर और ट्रैक्टर-ट्राली पकड़े

नर्मदापुरम, देशबन्धु। निष्पक्ष मतदान प्रजातंत्र की शक्ति है। मतदान में मतदाताओं की जितनी अधिक हिस्सेदारी होगी, हमारा प्रजातंत्र उतना ही मजबूत होगा। उक्त उद्गार स्वीप नोबल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजान सिंह रावत द्वारा गुरुवार को पुलिस मुख्यालय नर्मदापुरम में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा, एसडीओपी पराग सैनी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ द्वारा पुलिस अधिकारियों को मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया को तीन चरणों में विभाजित करते हुए बताया गया कि प्रथम चरण वर्तमान समय से आदर्श आचार संहिता लागू होने के पूर्व तक रहेगी तथा द्वितीय चरण आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर मतदान के 48 घंटे पूर्व तक रहेगी तथा तृतीय चरण मतदान प्रारंभ होने से मतदान समाप्ति तक रहेगी। इस अवसर पर सीईओ द्वारा अलग-अलग चरणों की चैक लिस्ट



तैयार कर बेहतर चुनाव प्रबंधन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों से स्वयं एवं अपने परिवार के सदस्यों से अपने मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से करने की अपील की।

नर्मदापुरम, देशबन्धु। खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए बुधवार को तवा नदी से रेत का अवैध उत्खनन परिवहन करते हुए पाए जाने पर डंपर क्रमांक एमपी 40 बीएल 3201 को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। इसी प्रकार ग्राम-होरियापीपर से 01 ट्रैक्टर ट्राली आयकर 485 बिना नंबर को रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त जब्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम ने बताया कि खनिज विभाग द्वारा ग्राम-कोरपुरा, तह माखननगर में रेत के अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर नदी के पास संभावित मार्गों पर जेसीबी मशीन से गड्ढे कर रोकथाम की कार्यवाही की गयी है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया



कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन परिवहन के 142 प्रकरण पंजीबद्ध कर एक करोड़ दस लाख रुपये का अर्थदंड खनिज मद में जमा कराया गया है।

सैंपल बीज बेचने पर साहू फर्टिलाइजर का लाइसेंस निलंबित

इटारसी, देशबन्धु। सैंपल बीज बेचने मामले में कृषि विभाग ने इटारसी के साहू फर्टिलाइजर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। कृषि उप संचालक के निर्देश पर बनाई जांच दल ने सैंपल बीज बेचे जाने की शिकायत को सही पाया था। दल की जांच रिपोर्ट के बाद कृषि उप संचालक ने कार्यवाही करते हुए दुकानदार का बीज बेचने वाला लाइसेंस निलंबित कर दिया।



रह था मामला
ग्राम पथरोटा के उन्नत किसान अमित वर्मा ने साहू फर्टिलाइजर इटारसी की शिकायत कृषि विभाग उप संचालक से की थी। दरअसल अमित वर्मा ने साहू फर्टिलाइजर दुकान से 27 जून 2023 को 3524 किस्म पायोनियर कंपनी का मक्का बीज खरीदा था जो कि दुकानदार ने किसान अमित वर्मा को सैंपल बीज के 15 पैकेट बेच दिए और सैंपल बीज बिक्री का बिल भी दे दिया। पीड़ित किसान ने 25 हजार रूपए का बीज खरीदा था और अपने खेत में बोनी भी कर दी थी। इसी दौरान बीज के पैकेट पर उनकी नजर पड़ी और उन्होंने सारे पैकेट चेक किए तो उनके होश उड़ गए थे कि सभी पैकेट सैंपल बीज के थे, नॉट फॉर सेल जिसे बाजार में बेचा नहीं जा सकता था। बीज बिक्री ने किसान को यह सैंपल बीज बेचा था। पीड़ित किसान अमित वर्मा ने इस मामले

की शिकायत कृषि विभाग और सी एम हेल्प लाइन पर की थी। इस मामले में कृषि उप संचालक जेआर हेडाऊ नर्मदापुरम ने बताया कि पीड़ित किसान द्वारा शिकायत की गई थी कि साहू फर्टिलाइजर जमानी रोड इटारसी ने पायोनियर मक्का बीज बेचा था। शिकायत के बाद विभाग ने जांच दल बनाया और जांच की गई तो पता चला कि कोटेड बीज साइंस कंपनी का बीज किस्म पी- 3524 ए 3

सीडब्ल्यू लॉट नंबर 5886628 जेपी 23 एच 0076 किसान को बेचकर पक्का बिल दिया। जो कि यह बीज कंपनी ने किसानों को निशुल्क वितरण के लिए दुकानदार को दिया था। इसलिए सीड एक्ट का उल्लंघन किए जाने के कारण मेसर्स साहू फर्टिलाइजर जमानी रोड इटारसी का बीज बेचने का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

शहर के बाजार क्षेत्र में उप लोक सेवा केन्द्र का शुभारंभ आज

इटारसी, देशबन्धु। नागरिकों की सुविधा के लिए अब उप सेवा केन्द्र शहर के बीच बाजार क्षेत्र में खुलेगा। इसके लिए वाचनालय से अच्छी जगह काई नहीं। यहाँ उप लोक सेवा केन्द्र खोलने का निर्णय लिया है और विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा कल 18 अगस्त को सुबह 11:30 बजे इसका शुभारंभ करेंगे। उप लोक सेवा केन्द्र के रूप में जनता को विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा द्वारा एक और सौगात दी जा रही है, जिससे तहसील कार्यालय तक जाने से निजात मिलेगी और लोगों के जरूरी काम यहाँ संपन्न हो सकेंगे। गांधी मैदान स्थित गांधी वाचनालय के समीप उप सेवा केन्द्र शुक्रवार 18 अगस्त से काम करना प्रारंभ कर देगा।

श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन एवं अभिषेक किया सावन मास में द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन एवं रुद्राभिषेक प्रारंभ

इटारसी, देशबन्धु। जीवन शिव के बिना अथुरा ही नहीं शिव के समान है। शिव ही जगत के अधिष्ठाता हैं। महिला पुरुष शिव के उपायक होते हैं। यही कारण है कि परिवारों में मंगल और सुख शांति रहती है। उक्त उद्गार मुख्य आचार्य पं. विनोद दुबे ने शिवाचन के समय व्यक्त किए। आगामी 12 दिन तक चलने वाले इस आयोजन में बारह ज्योतिर्लिंग का पूजन और अभिषेक होगा। प्रथम दिवस सोमनाथ के पार्थिव ज्योतिर्लिंग का पूजन एवं अभिषेक किया। यजमान नारायण दुन्दुभी एवं श्रीमती सेवन्ती दुन्दुभी ने पूजन एवं अभिषेक किया। पं. विनोद दुबे ने बताया कि सोमनाथ के मंदिर का घंटा 200 टन सोने का हुआ करता था। मंदिर में हीरे के छपन खंबे माणिक रत्न आदि से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि भगवान की पूजा और अभिषेक के लिए गंगाजल प्रतिदिन हरिद्वार, प्रयाग, काशी से लाया जाता



था। यहां पर कश्मीर में पूजन के लिए फूल लाये जाते। यहां प्रतिदिन की पूजन के लिए एक हजार ब्राह्मण नियुक्त किये गये थे। इस सोमनाथ मंदिर के लिए 10 हजार ग्रामों की जागीर भी रहती थी। जिसकी आमदनी से परिसर का खर्च चलता था। प्रमुख आचार्य पं. विनोद दुबे ने कहा कि मेहमूर गजनवी और खिलती कंश सहित औरंगजेब ने इस मंदिर में काफी तोड़फोड़ की। बाद में हिंदू रानी अहिल्या देवी होल्कर ने मंदिर कस जीर्णोद्धार कराया। आचार्य पं. सत्येन्द्र पांडे एवं पं. पीयूष पांडे ने श्रद्धालुओं से अभिषेक संपन्न कराया।

मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों और विशेषज्ञों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र चिकित्सकों का कार्य सामान्य नौकरी या आजीविका से कहीं बड़ा है



83 शिशु रोग, 76 सर्जन विशेषज्ञों तथा 128 दंत शल्य चिकित्सकों को जारी किए गए नियुक्ति पत्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हम और आप मिलकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसी स्थिति निर्मित करें कि कोई गरीब और जरूरतमंद इलाज के बिना नहीं रहे। उसका सही उपचार हो और वह स्वस्थ हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में 3 करोड़ 60 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए हैं, हम प्रदेश में आयुष्मान भारत का यूनिवर्सल कवरेज करेंगे, जो परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हैं उन्हें छोड़कर सभी के आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे। जटिल बीमारियों के उपचार पर बहुत अधिक खर्च होता है, लोगों को यह भरोसा देना जरूरी है कि बीमारी के समय सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के नवनियुक्त चिकित्सकों और विशेषज्ञों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिए समतल भवन में आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सकों से संवाद कर रहे थे।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान, स्वास्थ्य

शीघ्र ही होगी डॉक्टरों पंचायत

में राजनीति नहीं आता तो डॉक्टर ही बनता

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरे लिए भी मध्यप्रदेश की जनता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अगर मैं राजनीति के क्षेत्र में नहीं आता तो निश्चित रूप से डॉक्टर ही बनता। हम कितने भी बड़े अस्पताल या स्वास्थ्य संस्थान खोल लें, लेकिन इन संस्थाओं की आत्मा आप चिकित्सक ही हैं। कोविड काल में शासकीय चिकित्सालयों और चिकित्सकों द्वारा की गई सेवा का सभी ने सम्मान किया।

विशेषज्ञ डॉ. सुमित्रा वर्मा, डॉ. इंद्रजीत, दंत शल्य चिकित्सक डॉ. शिवानी राय, डॉ. धीरज भईया दुपारे, डॉ. रितु शर्मा, सहायक माइक्रो बायोलॉजिस्ट अंशुल शर्मा, सहायक औषधि विश्लेषक सुश्री ममता और सहायक लोक विश्लेषक सुश्री चंद बेगा को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शेष अभ्यर्थियों को सिंगल क्लिक से डिजिटली नियुक्ति पत्र जारी किए।

प्रदेश स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है : डॉ. चौधरी

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। शासकीय चिकित्सालयों के कायाकल्प, पैथोलॉजी जांचों की व्यवस्था, पर्याप्त बेड की उपलब्धता से प्रदेश स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। मंत्री डॉ. चौधरी ने नवनियुक्त चिकित्सकों तथा विशेषज्ञों को नवीन उत्तरदायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुरवाई में जनदर्शन में शामिल हुए मुख्यमंत्री, बोले

आगासौद में 50 हजार करोड़ की लागत से पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कुरवाई और आसपास के विकास के लिए बीना रिफायनरी के साथ ही आगासौद में जल्दी ही 50 हजार करोड़ की लागत से पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा, जो लोगों की जिंदगी बदल देगा। वह आज विदिशा के कुरवाई में जनदर्शन के बाद नागरिकों से संवाद कर रहे थे। साथ ही घोषणा की है कि कुरवाई के स्थित अस्पताल का उन्नयन कर 50 बिस्तर का किया जाएगा। कुरवाई में रानी अवंतीबाई की मूर्ति लगाई जाएगी तथा पठारी में महाविद्यालय खोला जाएगा। जगह-जगह राखी बांधने से अभिभूत मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राखी के कच्चे धागे का बंधन नहीं यह अटूट और भाई-बहिन का पवित्र रिश्ता है। मैं वचन देता हूँ कि बहनों की आंखों में आंसू नहीं आने दूंगा, उनकी जिंदगी बदल दूंगा। उन्होंने बेटे-बेटियों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ें। हायर सेकेंडरी स्कूल में टॉप करने वाले एक-एक बेटे और बेटों को 23 अगस्त को स्कूटर और स्कूटी की राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा

की फीस सरकार द्वारा भरी जा रही है। युवाओं को मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में सीखने के साथ स्टायपेंड दिया जाएगा। साथ ही एक लाख सरकारी नौकरी दी जा रही है और स्व-रोजगार योजनाएं भी संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाना उनका संकल्प है। कुछ समय पूर्व ही 22 सौ करोड़ रुपये की राशि किसानों के कर्ज के ब्याज से मुक्ति के लिए जमा की गई है। अब छोटे किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि के 6 हजार और मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना को 6 हजार रुपये मिलाकर साल में 12 हजार रुपये की राशि मिलेगी। इसके पूर्व उन्होंने 325 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत के 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने कुरवाई में 210 करोड़ 93 लाख की लागत के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। वहीं मुख्यमंत्री ने 97 करोड़ 75 लाख के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया है। कार्यक्रम के दौरान सांसद राजबहादुर सिंह और विधायक हरिसिंह सप्रे भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक रविवार को प्रत्याशी को लेकर होगा मंथन



भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ की अध्यक्षता वाली चुनाव समिति की पहली बैठक रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की जाएगी। जिसमें प्रत्याशी चयन को लेकर मंथन किया जाएगा, जिसमें प्रत्याशी का चयन के लिए निर्धारित मापदण्ड निर्धारित किए जाएंगे। बताया जाता है कि जहां कमलनाथ द्वारा स्वयं सर्वे कराया जा रहा है, वहीं पार्टी आलाकमान का भी प्रत्याशी चयन को लेकर सर्वे चल रहा है। इसके अलावा पार्टी के जिला प्रभारी और सह प्रभारियों के साथ ही केन्द्रीय पर्यवेक्षकों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। इन सबके बाद जो सार निकलेगा उसके आधार पर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारेगी। इसी के साथ पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया की अगुआई वाली कांग्रेस चुनाव अभियान समिति की बैठक भी आयोजित की जा रही है। इस बैठक में विधानसभा चुनाव की रूपरेखा के अनुसार अंचलवार अभियान चलाने के संबंध में चर्चा होगी।

समिति जुटा रही लोगों से सुझाव, जगह-जगह लगाई जाएंगी पेटियां जनता के सुझावों पर भाजपा तैयार करेगी घोषणा पत्र

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनावों के लिए इस बार भाजपा जनता की राय लेकर घोषणा पत्र तैयार करेगी। इसके लिए गठित घोषणा पत्र समिति ने लोगों से सुझाव जुटाने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए संभागवार बैठकें आयोजित की जा रही हैं, वहीं सुझाव लेने के लिए भाजपा जगह-जगह सुझाव पेटियां लगाएगी। ई-मेल पर भी सुझाव लेने की पार्टी की कार्ययोजना में शामिल है।



भाजपा की घोषणा पत्र समिति ने प्रदेश कार्यालय में भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की बैठक आयोजित की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, घोषणा पत्र समिति के प्रमुख जयंत मलैया, सह प्रमुख प्रभात झा, दीपक विजयवर्गीय और कविंद्र कियावत सहित अन्य पदाधिकारियों ने भोपाल नर्मदापुरम संभाग की बैठक को संबोधित किया। बैठक में

दोनों ही संभागों के सभी जिला महामंत्री और पार्टी के मोर्चा पदाधिकारियों को बुलाया गया। इसके लिए मोर्चा पदाधिकारियों के लिए लक्ष्य तय किए गए हैं और अलग-अलग वर्ग से किस तरह से सुझाव लिए जा सकते हैं, इसकी कार्ययोजना बनाई गई। जिलों में सुझाव लेने के लिए जिला महामंत्रियों से विभिन्न माध्यमों के उपयोग के बारे में चर्चा की गई। वहीं घोषणा पत्र समिति के पदाधिकारी शुक्रवार को इंदौर और उज्जैन संभाग की बैठक लेंगे। सुबह उज्जैन संभाग की बैठक ली जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भोपाल उत्तर से आलोक, धुवनारायण... भाजपा ने इंदौर जिले के सांवेर से पूर्व विधायक राजेश सोनकर, पूर्व मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधु की सीट महेश्वर, जिला खरगोन से राजकुमार मेव, कांग्रेस के दिवंगत नेता सुभाष यादव के पुत्र पूर्व मंत्री सचिन यादव की सीट कसरवद जिला खरगोन से आत्माराम पटेल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश के प्रमुख आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया की सीट झावुआ से भानु भूरिया, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह बघेल की सीट कुशी जिला धार से जयदीप पटेल, प्रदेश कांग्रेस के

कार्यकारी अध्यक्ष जीतू पटवारी की सीट राऊ जिला इंदौर से मधु वर्मा को भाजपा ने उम्मीदवार घोषित किया है। बसपा विधायक रामबाई की सीट पथरिया जिला दमोह से भाजपा ने लखन पटेल को उम्मीदवार घोषित किया है।

24 अगस्त को छिंदवाड़ा में हनुमान लोक परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। इसके साथ ही रोजगार दिवस एवं महिला सम्मेलन का कार्यक्रम भी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान इसी दिन बैलुल जिले में मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना के अंतर्गत सामग्री वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान 25 अगस्त को जबलपुर में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे एवं सुपुत्र कॉलोनी का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज समतल भवन से वीसी द्वारा संबोधित जिलों के कलेक्टरों से इन सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर निर्देश दिए।

76 आजादी का अमृत महोत्सव

हर घर तिरंगा अभियान

आजादी के 77 वर्ष पूर्ण होने पर

स्वतंत्रता दिवस

सभी शहर एवं देशवासियों को

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समस्त पार्षदगण, नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती अर्चना परिहार

जिला परिवहन अधिकारी, मुरैना

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश शर्मा

जिला स्वास्थ्य अधिकारी कुंवर जहार सिंह शर्मा जिला चिकित्सालय, मुरैना

सभी नगर एवं ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त करों का भुगतान समय पर कर नगर विकास में सहयोग प्रदान करें। नलों में टोटियां अवश्य लगावें, पानी का दुरुपयोग न करें। नगर को साफ एवं स्वच्छ बनायें रखें। कचरा वाहन में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग दें। खुले में शौच न करें और न करने दें। अपने घरों एवं दुकानों का कचरा सड़क एवं नाली में न डालें। जन्म-मृत्यु एवं विवाह का पंजीयन समय पर अवश्य करावें। देश के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को आजादी के महापर्व में अपने प्राण की आहुति देने वाले समस्त शहीदों को नमन है।

श्रीमती अंजना बृजेश बंसल

अध्यक्ष, नगर परिषद, कैलारस जिला मुरैना

श्रीमती सीमा अशोक राणावत

उपाध्यक्ष, नगर परिषद, कैलारस जिला मुरैना

रमाशंकर शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं समस्त पार्षदगण नगर परिषद, कैलारस जिला मुरैना

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रदीप राय

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, मुरैना

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल पाटक

जिला शिक्षा अधिकारी, मुरैना

सभी नगर एवं ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त करों का भुगतान समय पर कर नगर विकास में सहयोग प्रदान करें। नलों में टोटियां अवश्य लगावें, पानी का दुरुपयोग न करें। नगर को साफ एवं स्वच्छ बनायें रखें। कचरा वाहन में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग दें। खुले में शौच न करें और न करने दें। अपने घरों एवं दुकानों का कचरा सड़क एवं नाली में न डालें। जन्म-मृत्यु एवं विवाह का पंजीयन समय पर अवश्य करावें। देश के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को आजादी के महापर्व में अपने प्राण की आहुति देने वाले समस्त शहीदों को नमन है।

श्रीमती मनीषा बल्ली सोनी

अध्यक्ष, नगर परिषद, झुण्डपुरा, जिला मुरैना

श्री यशकान्त शर्मा (गुड्डू)

उपाध्यक्ष नगर परिषद, झुण्डपुरा जिला मुरैना

वीरेन्द्र रावत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं समस्त पार्षदगण नगर परिषद, झुण्डपुरा जिला मुरैना